मार्गशीर्ष कृष्ण - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 113 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 17-11-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी के संसद में आने के बाद से लोकसभा में बहस का स्तर गिरा : रीजीजू

6 कर्नल अजय कोठियाल: कुशल रणनीति से 7 आतंकवादियों के समूह का कर दिया खात्मा

7 निमरत कौर के लिए लंगर की जलेबी और कड़ा प्रसाद से बेहतर कुछ नही

'अब अपने घरों में भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं आतंकवादी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि अब आतंकवादी अपने घरों में भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं, जबकि पिछली सरकारों के समय आतंकवाद के कारण लोग असुरक्षित महसूस करते थे।

दिल्ली में ''एचटी लीडरशिप समिट'' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि समय बदल गया है। मोदी ने कहा कि उन्होंने कार्यक्रम में आयोजित एक प्रदर्शनी में 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले पर रिपोर्ट देखीं। उन्होंने कहा, ''उस समय आतंकवाद के कारण भारत के लोग असुरक्षित महसूस करते थे, लेकिन अब समय बदल गया है और अब आतंकवादी अपने घरों में भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रहे हैं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में उन्होंने कश्मीर का भारत में विलय की पुरानी खबरें देखीं और उन्हें वैसा ही उत्साह महसूस हुआ जैसा देश के लोगों ने अक्टूबर 1947 में महसूस किया था। उन्होंने कहा, ''उस क्षण मुझे एहसास हुआ कि कैसे अनिर्णय की स्थितियों ने सात दशक तक कश्मीर को हिंसा में घेर कर रखा।'' मोदी ने कहा कि यह खुशी की बात है कि हाल ही में जम्मू-कश्मीर में हुए चुनावों में रिकॉर्ड मतदान की खबरें अखबारों में छप रही हैं।

लोगों की प्रगति के लिए काम कर रहे हैं : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर वोट बैंक के लिए नीतियां बनाने को लेकर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि उनकी सरकार का उद्देश्य वोट बैंक की राजनीति से कोसों दूर है और वह जनता की, जनता द्वारा तथा जनता के लिए प्रगति के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने 'एचटी लीडरशिप समिट' को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों ने जो वोट बैंक की राजनीति की, उसका सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ कि देश में असंतुलित असमानता का दायरा बढ़ता गया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने सरकार में लोगों का विश्वास बहाल किया।

मोदी ने 90 के दशक को याद किया जब भारत में 10 साल में पांच चुनाव हुए थे। उन्होंने कहा कि देश में तब काफी अस्थिरता थी।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''विशेषज्ञों, अखबारों में लिखने वाले लोगों ने भविष्यवाणी की थी कि भारत को ऐसे ही रहना पड़ेगा, भारत में सब कुछ ऐसे ही चलता रहेगा।

सैनिकों की वापसी के बाद

अब एलएसी पर तनाव कम करने पर जोर होना चाहिए : विदेश मंत्री जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर समस्या के हल के लिए पिछले महीने सहमति के बाद दोनों देशों के सैनिकों की वापसी का काम पूरा हो गया है और अब तनाव कम करने पर जोर होना चाहिए।

जयशंकर ने अंतिम दौर की सैन्य वापसी के बाद भारत और चीन संबंधों में कुछ सुधार की

उम्मीद को 'उचित' बताया, लेकिन यह कहने से परहेज किया कि द्विपक्षीय संबंध पुराने स्वरूप में लौट सकते हैं। उन्होंने 'एचटी लीडरशिप समिट' में कहा, ''मैं सैनिकों के पीछे हटने को बस उनके पीछे हटने के रूप में देखता हूं, न उससे कुछ ज्यादा, न कुछ कम। यदि आप चीन के साथ वर्तमान स्थिति को देखते हैं तो हमारे सामने एक ऐसा मुद्दा रहा कि हमारे सैनिक असहज तौर पर वास्तविक नियंत्रण रेखा के बिल्कुल करीब थे...।'' उन्होंने कहा, ''और इसलिए 21 अक्टूबर की सहमति सैनिकों की वापसी से जुड़ी सहमति आखिरी थी। इसके क्रियान्वयन के साथ ही इस समस्या के हल की दिशा में सैनिकों के पीछे हटने का काम पूरा हो गया।''

जयशंकर की टिप्पणी इस सवाल के जवाब में आई कि क्या पिछले महीने दोनों पक्षों द्वारा सैनिकों की वापसी भारत और चीन के बीच संबंधों के पुराने स्वरूप में लौटने की शुरुआत थी।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध वैश्विक स्वास्थ्य खतरा : अनुप्रिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया सिंह पटेल ने कहा है कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध एक वैश्विक स्वास्थ्य खतरा है, जिसके लिए 'वन हेल्थ' दृष्टिकोण की तत्काल आवश्यकता है, जो मानव, पशु और पौधों के स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण और अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देता है।

श्रीमती पटेल ने शनिवार को सऊदी अरब के जेद्दा में रोगाणुरोधी प्रतिरोध-एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) पर चौथे मंत्रिस्तरीय उच्च स्तरीय वैश्विक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध एक वैश्विक स्वास्थ्य खतरा है जिसके लिए 'वन हेल्थ' दृष्टिकोण से तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। यह मानव, पशु और पौधों के स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण और अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों में सहयोग और तालमेल पर बल देता है।

सम्मेलन का विषय 'घोषणा से कार्यान्वयन तक – एएमआर की रोकथाम के लिए बहुक्षेत्रीय भागीदारी के माध्यम से कार्रवाई में तेजी लाना' है।

चालक ने मालगाड़ी को पलटने से बचाया, पटरी पर रखा था अवरोधक

बरेली/भाषा। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में एक मालगाड़ी के लोको पायलट ने रेल पटरी पर लोहे का गार्टर और सीमेंट का खंभा देखने के बाद दिबनापुर स्टेशन के पास आपातकालीन ब्रेक लगाकर ट्रेन को पलटने से बचा लिया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (उत्तर) मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि घटना शुक्रवार देर रात हाफिजगंज थाना क्षेत्र में हुई। उन्होंने बताया कि हाफिजगंज थाना क्षेत्र में अराजक तत्वों ने ट्रेन को बेपटरी करने की साजिश रची थी हालांकि गनीमत रही कि हादसा टल गया। अधिकारी ने बताया कि हाफिजगंज थाने में घटना की शिकायत दर्ज कराई गयी है। पूर्वोत्तर रेलवे के बरेली इज्जतनगर मण्डल के जन संपर्क अधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि एक मालगाड़ी शुक्रवार रात पीलीभीत से बरेली की ओर आ रही थी कि तभी सैंथल रेलवे स्टेशन के पास रेलवे लाइन पर शरारती तत्वों ने टूटी हुई सीमेंट की बेंच रख दी।

सहज स्मृति योग

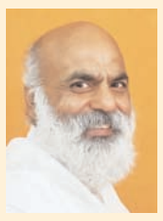

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, नाम और साँस का भेद कैसे मिटाएँ ? आनपान सती से परे का अनुभव कैसे पाएँ और जो है सो है, को अद्वैत भाव की अवस्था कैसे न बताएँ ?

उत्तर: आपका प्रश्न सुनकर मैं अपनी हँसी नहीं रोक पाया।चूँकि शुद्ध हास परिहास में कोई विकृति नहीं होती इसलिए रोकता भी क्यों ? आपने अनेक संतों और अनेक पंथों के अनुभवों से विमुक्त होने के बाद जो अवस्था पाई उसको व्यक्त करने के लिए तीन प्रश्न एक कर डाले! इसीलिए हँसी आई कि आप इतने चक्कर लगाकर आए, सीधे भी तो आ ही सकते थे। देखिए,जिसे आप रव, श्रुति या शब्द या नाम इत्यादि जो भी कहें, उसका जो असल स्वरूप है वह स्वाँस से परे है। साँस के सहज होने पर सोहं या हंसो जैसा स्वर सुना जाता है वही उसका भेद मिटना है। साँसों के बीच की शून्यता की अवस्था जब दीर्घावधिक हो जाती है तो आनपान सती या बुद्धावस्था के परे आ जाते हैं। जो है सो है या अद्वैत या कुछ भी बताने की आवश्यकता ही कहाँ है? जो प्यासा होगा उसकी प्यास बुझेगी तो पानी के नाम पर क्यों समय नष्ट करेगा कोई? विचार कीजिए। समय का सदुपयोग कीजिए। बहुत नाच लिए आप। अवसर पहचानिए बस।

मजबूत, पारदर्शी ऑडिट प्रणाली लोकतंत्र को मजबूत करने में मदद करती है : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि एक मजबूत और पारदर्शी ऑडिट प्रणाली लोकतंत्र को मजबूत करने में मदद करती है और देश को सर्वांगीण विकास के पथ पर ले जाती है।

यहां नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के 'ऑडिट दिवस' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एक मजबूत और पारदर्शी ऑडिट राजकोषीय अनुशासन और मौद्रिक विवेक लाता है जो यह सुनिश्चित करता है कि विभिन्न योजनाओं के लिए संसद द्वारा पारित निधि का उचित उपयोग किया जाए।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने यह भी कहा कि भारतीय लोकतंत्र में राजकोषीय अनुशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, प्रमुख विपक्षी दल के एक वरिष्ठ सदस्य को पारंपरिक रूप से संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया जाता है। उन्होंने कहा, ''यह भारतीय लोकतंत्र की ताकत है।'' उन्होंने कहा कि खर्च किए गए सार्वजनिक धन पर कैग की ऑडिट रिपोर्ट की जांच लोक लेखा समिति (पीएसी) द्वारा की जाती है, जहां दोनों पक्षों के सदस्य ऑडिट रिपोर्ट के पैराग्राफ पर अपने विचार साझा करते हैं।

कार्यक्रम में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि ऑडिट में पारदर्शिता बढ़ने से अधिक राजकोषीय अनुशासन आता है।

पंजाब में कानून-व्यवस्था का नया मॉडल स्थापित किया जाएगा : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि पंजाब में उनकी पार्टी की सरकार राज्य में कानून-व्यवस्था का नया मॉडल स्थापित करेगी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब पुलिस को सबसे अनुशासित पुलिस बल बताया और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार के लिए भगवंत मान सरकार की सराहना।

अरविंद केजरीवाल ने पुलिस विभाग में नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करने के दौरान ये बातें कहीं। इस कार्यक्रम में उनके साथ मुख्यमंत्री मान भी मौजूद थे। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले ढाई साल में पंजाब पुलिस विभाग में कुल 8,705 नौकरियां दी गई हैं। उन्होंने कहा, मैं ऐसा इसलिए नहीं कह रहा हूं क्योंकि पंजाब में हमारी सरकार है। लेकिन यह सच है कि पंजाब पुलिस देश का सबसे अनुशासित, सख्त और सबसे प्रतिष्ठित पुलिस बल है। पिछली सरकारों का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा कि राज्य में उनकी पार्टी की सरकार बनने से पहले कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय थी और अपराधियों का बोलबाला था। उन्होंने कहा, जब हमने कार्यभार संभाला तो हमारे सामने बड़ी चुनौती थी। हमने उस चुनौती को स्वीकार किया और हमें पंजाब के लोगों से समर्थन मिला।

प्रधानमंत्री मोदी का भाजपा कार्यकर्ताओं को मंत्र: बूथ स्तर पर जीत के लिए ध्यान केंद्रित करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं से 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बूथ स्तर पर जीत सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने को कहा।

'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ऑनलाइन माध्यम से बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा कि वे महिलाओं, युवाओं और किसानों की बूथ स्तर पर बैठकें आयोजित करें और भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की योजनाओं के वीडियो प्रसारित करें। प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं से मतदाताओं के बीच पार्टी के संदेश का प्रचार करने के लिए चिकित्सक जैसे पेशेवर लोगों को अपने साथ जोड़ने के लिए कहा।

महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को विपक्ष के झूठ के बारे में मतदाताओं को जागरूक करना चाहिए।

मोदी ने कहा, ''मैं जहां भी गया, मैंने अपने कार्यकर्ताओं को कड़ी मेहनत करते देखा।'' उन्होंने कार्यकर्ताओं को अपना प्रतिनिधि बताया। मोदी ने कहा कि भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन को विजयी बनाने के लिए हर घर तक संदेश पहुंचाना होगा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लोग चाहते हैं कि भाजपा नीत महायुति सरकार अगले पांच साल तक बनी रहे। उन्होंने कहा, ''महायुति सरकार समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने का प्रयास कर रही है। महाराष्ट्र के लोग महायुति सरकार से बेहद खुश हैं। मैं जहां भी गया हूं, मैंने यह प्यार देखा है।''

कांग्रेस ने महाराष्ट्र को देश का शीर्ष राज्य बनाया, मौजूदा सरकार में अर्थव्यवस्था खस्ताहाल : चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी ने एक-एक ईंट जोड़कर महाराष्ट्र को भारत का शीर्ष राज्य बनाया, लेकिन इसकी अर्थव्यवस्था मौजूदा महायुति सरकार के दौरान खस्ताहाल होती जा रही है।

राज्य में 20 नवंबर को होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पहले, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र उद्योग और सेवाओं के क्षेत्र में देश में अग्रणी है और कृषि के क्षेत्र में भी यह शीर्ष राज्यों में से एक है। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश भारत की वाणिज्यिक राजधानी थी और वर्तमान में भी है। चिदंबरम ने कहा, ''लेकिन मुझे नहीं पता कि यह भारत की वाणिज्यिक राजधानी कब तक बनी रहेगी।'' उन्होंने कहा कि पिछले आठ-10 वर्षों में, महा विकास आघाडी (एमवीए) के ढाई साल के शासन को छोड़कर, कांग्रेस सत्ता में नहीं थी। उन्होंने कहा कि सरकार अब भाजपा और उसके सहयोगियों द्वारा चलाई जा रही है। कांग्रेस, शिवसेना (उबाठा) और राकांपा (एसपी) एमवीए में साझेदार हैं, जबकि भाजपा, राकांपा और शिवसेना सत्तारूढ़ गठबंधन के घटक दल हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''भाजपा सरकार के तहत (राज्य की अर्थव्यवस्था में) गिरावट दिखाई दे रही है।'' चिदंबरम ने कहा, ''कांग्रेस ने एक-एक ईंट जोड़कर महाराष्ट्र को भारत का नंबर एक राज्य बनाया है।'' पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री ने वर्ष 2022-23 और 2023-24 का जिक्र करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर 9.4 प्रतिशत से घटकर 7.6 प्रतिशत हो गई है।

आदित्य बिड़ला समूह ने 20 अरब डॉलर निवेश किया: के एम बिड़ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आदित्य बिड़ला समूह ने मुख्य रूप से विनिर्माण क्षेत्र में लगभग 20 अरब डॉलर का निवेश किया है, क्योंकि यह अपने परिचालन वाले सभी क्षेत्रों में शीर्ष दो कंपनियों में शामिल होने की ओर अग्रसर है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट में बोलते हुए, आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन के एम बिड़ला ने कहा कि समूह ने कारोबार बढ़ाने के लिए हिंडाल्को द्वारा नोवेलिस के अधिग्रहण सहित कई कठिन निर्णय लिए हैं और अगले 10 वर्षों में सीमेंट कारोबार को 10 करोड़ टन से बढ़ाकर 20 करोड़ टन करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि समूह के अधिकांश निवेश दीर्घकालिक हैं, जिनका कारोबारी दृष्टिकोण अगले 15-20 वर्षों का है, जबकि उपभोक्ता कारोबार की अवधि कम है। उन्होंने कहा, ''हम हर उस व्यवसाय में शीर्ष एक या दो बनना चाहते हैं, जिसमें हम हैं या शामिल होने जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि कंपनी ने 36 वर्षों में 10 करोड़ टन सीमेंट क्षमता का निर्माण किया है, लेकिन अगले पांच वर्षों में इसे 15 करोड़ टन और अगले 10 वर्षों में 20 करोड़ टन तक बढ़ाया जाएगा।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में पंजाब से लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का मददगार गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/चंडीगढ़/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में महाराष्ट्र पुलिस ने 24वीं गिरफ्तारी की और पंजाब से आकाश दीप गिल को पकड़ा। मुंबई पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी।

राकांपा नेता की 12 अक्टूबर को बांद्रा पूर्व के निर्मल नगर इलाके में उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अधिकारी ने बताया कि मुंबई अपराध शाखा के दल ने पंजाब पुलिस की गैंगस्टर रोधी कार्य बल (एजीटीएफ) साथ संयुक्त अभियान में फाजिल्का निवासी गिल को गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया, उसने गोलीबारी में सहायता प्रदान की थी। गिल को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए ट्रांजिट रिमांड पर मुंबई लाया जा रहा है। वहीं, पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि आरोपी गिल पंजाब के फाजिल्का जिले के पक्का चिश्ती का रहने वाला है। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी लॉरेंस बिश्नोई गैंग का मददगार है और बाबा सिद्दीकी की हत्या में संलिप्त शूटरों की मदद कर रहा था।'' गैंगस्टर रोधी कार्य बल (एजीटीएफ) के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रमोद बान ने कहा कि स्थानीय पुलिस बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में मुंबई पुलिस के साथ मिलकर काम कर रही है।

मोदी, शाह झूठ फैला रहे कि राहुल आरक्षण के खिलाफ हैं : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिरडी/कोल्हापुर/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अपने भाई राहुल गांधी के खिलाफ यह झूठ फैलाने का आरोप लगाया कि वह आरक्षण के खिलाफ हैं।

प्रियंका ने कहा कि दोनों नेता राहुल से डरे हुए हैं, क्योंकि वह (राहुल) देश में जातिगत जनगणना करवाना चाहते हैं।

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के शिरडी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने दावा किया कि राज्य से 10 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं छीन ली गईं, जिससे आठ लाख नौकरियों का नुकसान हुआ और 6,000 व्यवसाय बंद हो गए। उन्होंने महायुति नेताओं पर शिवाजी महाराज का अपमान करने का आरोप लगाया।

प्रियंका ने कहा कि अगस्त में सिंधुदुर्ग जिले में स्थापित प्रतिमा इसलिए ढह गई, क्योंकि इसके निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ था। उन्होंने सवाल किया, संसद के बाहर लगी छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा हटा दी गई। सिंधुदुर्ग में स्थापित प्रतिमा इसलिए ढह गई, क्योंकि इसके निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ था। अगर आप उस महान शासक का अपमान करना चाहते हैं, तो उनका नाम लेने का क्या मतलब है। प्रियंका ने आरोप लगाया कि छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि और उसके लोगों का अपमान किया जा रहा है। उन्होंने कहा, मोदी जी समेत ये सभी नेता उनका (शिवाजी महाराज) नाम तो लेते हैं, लेकिन उनका सम्मान नहीं करते।

प्रियंका ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा की आधारशिला रखी, लेकिन उन्होंने बाद में इसका काम रोक दिया। कांग्रेस महासचिव का इशारा मुंबई के पास अरब सागर में शिवाजी महाराज के प्रस्तावित स्मारक की तरफ था।

प्रियंका ने प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती दी कि वह सार्वजनिक रूप से घोषणा करें कि जातिगत जनगणना कराई जाएगी और आरक्षण पर 50 फीसदी की सीमा हटाई जाएगी। उन्होंने कहा, लेकिन मोदी और शाह सार्वजनिक मंच से कहते हैं कि मेरा भाई आरक्षण के खिलाफ है। राहुल ने मणिपुर से मुंबई तक न्याय यात्रा निकाली और आप उन पर आरक्षण-विरोधी होने का आरोप लगा रहे हैं। वे सार्वजनिक मंचों से झूठ बोलते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि इस व्यक्ति ने न्याय और जातिगत जनगणना की मांग को लेकर कन्याकुमारी से कश्मीर तक की यात्रा की थी।

प्रियंका ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के साथ भेदभाव किया जा रहा है, क्योंकि राज्य से कई औद्योगिक परियोजनाएं छीनकर उन्हें दूसरे क्षेत्रों में ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री देश की मां की तरह हैं। और जिस तरह एक मां अपने बच्चों में भेदभाव नहीं करती, उसी तरह उन्हें राज्यों के बीच भेदभाव नहीं करना चाहिए।

फडणवीस ने धारावी परियोजना टिप्पणी को लेकर राहुल की आलोचना की, उन्हें गरीब विरोधी कहा

गडचिरोली (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर धारावी झुग्गी पुनर्विकास परियोजना के बारे में की गई टिप्पणी को लेकर ''गरीब विरोधी'' होने का आरोप लगाया। अमरावती में चुनावी रैली के दौरान गांधी ने भाजपा पर आरोप लगाया कि धारावी में करोड़ों रुपए की जमीन उद्योगपति गौतम अदाणी को दे दी गई। वहीं, आरोपों का जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस यह सुनिश्चित करना चाहती है कि गरीब लोग गरीब ही रहें। उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''राहुल गांधी गरीब विरोधी हैं। वह नहीं चाहते कि धारावी के लोगों को घर मिले। (पूर्व प्रधानमंत्री) राजीव गांधी ने धारावी के लिए घोषणा की थी और उसके बाद ये लोग 25 साल तक सत्ता में रहे, लेकिन कोई काम नहीं हुआ।'' उन्होंने दावा किया, धारावी को अदाणी को नहीं सौंपा गया है। इसे धारावी पुनर्विकास परियोजना को दिया गया है, जिसमें राज्य सरकार भी भागीदार है।

दक्षिणी राज्यों में घट रही है प्रजनन दर, जनसंख्या प्रबंधन पर बात करने की जरूरत : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि दक्षिणी राज्यों में बुजुर्ग आबादी बढ़ रही है जबकि बच्चों के जन्म की दर कम हो रही है, ऐसे में जनसंख्या प्रबंधन की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने यहां ''एचटी लीडरशिप समिट'' में यह बात कही।

नायडू ने कहा कि वह इस बात पर जोर देते रहे हैं कि इस विषय पर चुप्पी तोड़ी जानी चाहिए और लोगों को जनसंख्या प्रबंधन के बारे में बात करनी चाहिए। नायडू ने कहा, लोग पूछ रहे हैं कि जनसंख्या प्रबंधन क्या है। आप सभी यूरोपीय देशों, यहां तक कि जापान, यहां तक कि चीन को भी देख रहे हैं। सभी देशों में बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है। इस मामले में केवल भारत को 2047 तक फायदा मिल सकता है। उन्होंने कहा, अब दक्षिण भारत में बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है। दक्षिणी राज्यों में प्रजनन दर 1.6 है। आम तौर पर जनसंख्या संतुलन बनाए रखने के लिए प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा दक्षिणी राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर फिलहाल सीमा रेखा पर है और जल्द ही जनसंख्या घटने लगेगी। नायडू ने कहा, इसका मतलब है कि भारत में वृद्धावस्था की समस्या बढ़ती जा रही है। अब अगर आप बात नहीं करेंगे, तो हमारे सामने समस्या खड़ी हो जाएगी।

40 से अधिक लोगों को नौकरी का झांसा देकर ठगने के आरोप में 33 गिरफ्तार

पणजी/भाषा। गोवा में सरकारी नौकरी का झांका देकर 40 से अधिक लोगों को ठगने के आरोप में पांच महिलाओं समेत 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस महानिदेशक आलोक कुमार ने बताया कि गोवा के विभिन्न थानों में दर्ज 29 अलग-अलग मामलों की जांच के बाद ये गिरफ्तारियां की गईं। उन्होंने बताया कि 33 आरोपियों ने सामूहिक रूप से शिकायतकर्ताओं से पांच करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी की है। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के बीच कोई आपसी संबंध नहीं है हालांकि इनमें से तीन आरोपी कई मामलों में शामिल हैं जबकि बाकी लोग धोखाधड़ी के अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने लोगों को झांसा दिया कि उनके ताल्लुकात मंत्रियों और शीर्ष सरकारी अधिकारियों से हैं।

रोहित की पत्नी ने बेटे को जन्म दिया, भारतीय कप्तान के पर्थ टेस्ट में खेलने की संभावना बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

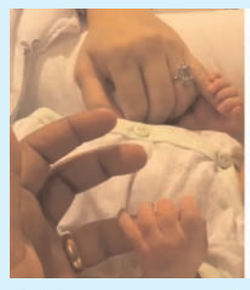

मुंबई/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की पत्नी ने बेटे को जन्म दिया है जिससे इस सलामी बल्लेबाज की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में खेलने की संभावना बढ़ गई है।

रोहित की पत्नी रितिका सजदेह ने शुक्रवार रात यहां एक स्थानीय अस्पताल में बेटे को जन्म दिया। रोहित बेटे के जन्म के कारण भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया नहीं गए थे। इस दंपति की एक बेटी समायरा है, जिसका जन्म 2018 में हुआ था। पहला टेस्ट शुरू होने में अब एक सप्ताह से भी कम समय बचा है और यह स्पष्ट नहीं है कि जल्द से जल्द ऑस्ट्रेलिया पहुंचने पर भी रोहित कुछ अभ्यास सत्र के बाद ही मैच में खेलेंगे या नहीं। अभी किसी भी तरह की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

रोहित का पहले टेस्ट मैच में खेलना संदिग्ध था, भले ही मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उम्मीद जताई थी कि भारतीय कप्तान मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

रोहित भले ही इस समय अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं लेकिन भारतीय शीर्ष क्रम अभी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है और ऐसे में टीम को कप्तान और सलामी बल्लेबाज के रूप में उनकी सख्त जरूरत है।

उनके विकल्प के रूप में अभिमन्यु ईश्वरन और केएल राहुल टीम में शामिल हैं लेकिन यह दोनों भी रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। राहुल की कोहनी में भी चोट लगी है, हालांकि माना जा रहा है कि यह गंभीर नहीं है। इन दोनों खिलाड़ियों ने यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करने के लिए मजबूत दावा पेश नहीं किया है।

भाजपा नेता चुनावों को धार्मिक रंग देने के लिए 'वोट जिहाद' का मुद्दा उठा रहे हैं : पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सतारा/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा के उनके सहयोगियों पर ''वोट जिहाद'' का मुद्दा उठाकर आगामी विधानसभा चुनाव को धार्मिक रंग देने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

शरद पवार (83) शनिवार को पुणे में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख अजित पवार की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देने का काम जनता पर छोड़ दिया कि शरद पवार के बाद नेतृत्व की अगली पंक्ति में वह (अजित) होंगे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति सरकार के खिलाफ एक इस्लामी विद्वान द्वारा कथित तौर पर की गई 'वोट जिहाद' की अपील का जिक्र करते हुए फडणवीस ने शुक्रवार को इसका मुकाबला करने के लिए 'वोटों के धर्मयुद्ध' का आह्वान किया था। मतदाताओं से फडणवीस की अपील के बारे में पूछे जाने पर शरद पवार ने कहा कि यह भाजपा नेता ही थे जिन्होंने 'वोट जिहाद' का मुद्दा उठाया था। फडणवीस ने लोकसभा चुनावों के दौरान कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में अल्पसंख्यकों द्वारा विपक्षी गुट महा विकास आघाडी (एमवीए) का समर्थन करने का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की थी। शरद पवार ने कहा, ''अगर पुणे के एक इलाके में हिंदू बहुसंख्यक हैं और वे भाजपा को वोट देते हैं, तो यह आम बात है कि यह परिणाम अपेक्षित था। इसका मतलब यह नहीं है कि यह 'वोट जिहाद' है। 'वोट जिहाद' का मुद्दा उठाकर फडणवीस और उनके साथी इस चुनाव को धार्मिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं। हम इसके पूरी तरह खिलाफ हैं।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
वास्तु परामर्शक एवं पुस्तक विक्रेता
प्रतापकुमार टोलिया
मो. 9611231580/7676853201
आवश्यकता है
बनशंकरी कार्यालय के लिए
हिन्दी ज्ञाता डीटीपी ऑपरेटर, ऑफिस बॉय
मो. 76768 53201 पर अपना बायोडाटा वाट्सएप्प करें
उपलब्ध है :
वर्धमान भारती के जैन रिकार्डस के सी.डी., डी.वी.डी. पी.डी प्राप्ति हेतु सम्पर्क करें।
मो : 9611231580

वक्फ मुद्दे पर भाजपा को बेनकाब करेंगे : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी वक्फ मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बेनकाब करेगी, क्योंकि वक्फ बोर्ड के पक्ष में राजस्व रिकॉर्ड में बदलाव भाजपा के शासन के दौरान ही किए गए थे। यद्यपि भाजपा वक्फ मुद्दे पर एक बड़े विरोध प्रदर्शन और एक महीने तक चलने वाले मार्च के जरिये कांग्रेस सरकार पर दबाव बनाने की पूरी तैयारी में है, (लेकिन) शिवकुमार ने दावा किया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान वक्फ बोर्ड के पक्ष में अधिकारों, किरायेदारी और फसलों के राजस्व रिकॉर्ड को बदलना शुरू कर दिया दिया गया था और कई संपत्तियां भी उस बोर्ड के नाम पर स्थानांतरित कर दी गई थीं। उपमुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि इस मामले पर भाजपा का विरोध मूर्खतापूर्ण है, क्योंकि सरकार के पास उन्हें घेरने के लिए सभी संबंधित दस्तावेज मौजूद हैं। उन्होंने कहा, ''हम उनका पर्दाफाश करेंगे।''

उन्होंने कहा कि उन्हें इस तरह के पहलुओं के बारे में बाद में पता चला। इतना ही नहीं, यह मुद्दा सार्वजनिक डोमेन में नहीं आया, क्योंकि हर कोई हाल के चुनावों में व्यस्त था। पच्चीस नवंबर से 25 दिसंबर तक भाजपा किसानों, व्यक्तियों और संस्थाओं को वक्फ द्वारा जारी किये गए नोटिस के खिलाफ विरोध मोड में रहेगी।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राज्य में वक्फ विवाद शुरू होने के बाद, किसानों, व्यक्तियों और संस्थाओं को दिए गए सभी नोटिस वापस लेने की घोषणा की।

भाजपा के दो गुटों ने वक्फ मुद्दे पर कांग्रेस सरकार से अलग-अलग दो-दो हाथ करने का फैसला किया है। एक गुट का नेतृत्व भाजपा के प्रदेश प्रमुख बी वाई विजयेंद्र और दूसरे का विजयपुरा के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल करेंगे। विजयेंद्र ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान बेलगावी में एक बड़े आंदोलन की योजना बनाई है, जबकि यतनाल गुट उत्तर कर्नाटक के बीदर से दक्षिण में चामराजनगर तक एक महीने का मार्च निकालेगा।

तमिलनाडु में भारी बारिश, 18 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने शनिवार (16 नवंबर) और रविवार (17 नवंबर) के लिए तमिलनाडु के 18 जिलों को भारी बारिश की चेतावनी दी है। इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। आरएमसी के एक बयान के अनुसार, सप्ताहांत में कन्याकुमारी थूथुकुडी तिरुनेलवेली, रामनाथपुरम, तेनकासी, विरुधुनगर, मदुरै, थेनी, डिंडीगुल, शिवगंगा, पुदुकोट्टई, तंजावुर, तिरुवरूर, नागपट्टिनम, मयिलादुथुराई, कुड्डालोर, विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में भारी बारिश की आशंका है। भारी बारिश का कारण दक्षिण तमिलनाडु और उसके आसपास के इलाकों में साइक्लोनिक सर्कुलेशन है। आने वाले दिनों में राज्य के बाकी हिस्सों में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है।

चेन्नई में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है, शाम और रात के समय कुछ इलाकों में मध्यम बारिश का अनुमान है। आरएमसी ने 22 नवंबर से चेन्नई, तिरुवल्लूर, चेंगलपट्टू और कांचीपुरम सहित उत्तरी तटीय जिलों में भी भारी बारिश की आशंका जताई है। इन जिलों में 22 से 28 नवंबर तक सामान्य से अधिक बारिश की चेतावनी जारी की गई है, जबकि इसी अवधि में राज्य के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम बारिश की संभावना है।

पूर्वोत्तर मानसून के दौरान अब तक 1 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच तमिलनाडु में 276 मिमी बारिश हुई। कोयंबटूर में सबसे अधिक 418 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य स्तर से 67 प्रतिशत अधिक है। चेन्नई सहित 17 जिलों में अधिक बारिश हुई। मानसून की शुरुआत के बाद से ही कई जिलों में बिजली की खपत में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

तमिलनाडु उत्पादन एवं वितरण कंपनी (टैंगेडको) ने बताया कि राज्य में दैनिक बिजली की खपत घटकर 302 मिलियन यूनिट रह गई, जबकि 1 अक्टूबर को बारिश कम होने के कारण यह 380 मिलियन यूनिट थी। सितंबर में बिजली की खपत 400 मिलियन यूनिट प्रतिदिन से अधिक हो गई थी। टैंगेडको के अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण एयर कंडीशनिंग की आवश्यकता कम हो गई है, जिससे आवासीय और कृषि दोनों क्षेत्रों में बिजली की खपत में उल्लेखनीय गिरावट आई है। इस बीच राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने वायरल रोगों के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता जताई है। चेन्नई और कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और तिरुवल्लूर जैसे आस-पास के जिलों में बुखार, इन्फ्लूएंजा और अन्य वायरल बीमारियों में वृद्धि की सूचना मिली है। इसके अलावा, राज्य के विभिन्न हिस्सों से मलेरिया और लेप्टोस्पायरोसिस के मामले सामने आए हैं। तमिलनाडु के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से विशेष रूप से बच्चों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने का आग्रह किया है। विभाग ने लोगों को तेज बुखार, ठंड लगना, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द और सिरदर्द जैसे लक्षणों पर नजर रखने और इन लक्षणों के दिखने पर डॉक्टर से परामर्श लेने की सलाह दी है।

चेन्नई के एक निजी अस्पताल में एंटोमोलॉजिस्ट डॉ. रजनी ने बताया कि पूर्वोत्तर मानसून की शुरुआत के बाद से ही बच्चों और बुजुर्गों में बुखार, सिरदर्द और गले के संक्रमण में वृद्धि देखी गई है। रजनी ने कहा, बच्चों में सूखी खांसी अक्सर दो सप्ताह से अधिक समय तक रहती है, जो संक्रामक रोगों का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि बुखार कम होने के बाद भी गले का संक्रमण कुछ दिनों तक बना रह सकता है। उन्होंने श्वसन, किडनी या लीवर की बीमारी वाले व्यक्तियों को इस मौसम में अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी, क्योंकि इस मौसम में संक्रामक रोगों का खतरा अधिक होता है।

तमिलनाडु होमगार्ड्स पर लघु फिल्म जारी

चेन्नई। केंद्रीय गृह मंत्रालय में अग्निशमन सेवा एवं नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड के महानिदेश विवेक श्रीवास्तव तथा तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक शंकर जिवाल ने तमिलनाडु होमगार्ड सगंठन के बारे में एक लघु फिल्म जारी की है, जिसका उद्देश्य समाज के प्रति इन कर्मियों की निस्वार्थ सेवा के बारे में जागरूकता पैदा करना है। तमिलनाडु के डीजीपी कार्यालय की ओर से शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि हाल में होमगार्ड अधिकारियों के लिए एक टेलीफोन निर्देशिका भी जारी की गई है। विज्ञप्ति में बताया गया, तमिलनाडु के होमगार्ड अपने 'आदर्श वाक्य निष्काम सेवा'' के अनुसार लोगों की सेवा कर रहे हैं।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस

पूर्व मुख्यमंत्री एम. वीरप्पा मोइली ने शनिवार को बेंगलूरु के वार्ता सौधा में राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाते हुए इस मौके पर दीप प्रज्वलन किया। इस अवसर पर हेमंत निंबालकर, आयशा खानम, डॉ. ए नारायण भी दर्शित हैं।

लोकायुक्त पुलिस ने आय से अधिक संपत्ति मामले में जमीर को नोटिस भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने आय से अधिक संपत्ति मामले में राज्य के मंत्री बी. जेड. जमीर अहमद खान को शनिवार को नोटिस जारी कर तीन दिसंबर को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। मंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले के सिलसिले में तलाशी ली। बाद में, ईडी ने मामले को आगे की जांच के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को सौंप दिया।

खान ने कहा कि एसीबी ने मामले को आगे की जांच के लिए लोकायुक्त को सौंप दिया, जिसने अब उन्हें नोटिस दिया है। उन्होंने कहा, यह एक नियमित नोटिस है। इसमें कुछ भी नया नहीं है। लोकायुक्त सूत्रों के अनुसार मंत्री को तीन दिसंबर को पेश होने को कहा गया है। सूत्रों ने कहा कि 2021 में आईएमए पोंजी घोटाला मामले की जांच के दौरान ईडी ने खान के खिलाफ छापा मारा था।

वायनाड भूस्खलन के राहत कार्य को लेकर केरल सरकार ने केंद्र की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार और सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने शनिवार को केंद्र सरकार पर वायनाड भूस्खलन के पीड़ितों के लिए केंद्रीय सहायता प्रदान करने के मामले में लोकतंत्र 'विरोध रुख'' अपनाने का आरोप लगाया। माकपा ने कहा कि वह केंद्र के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज करेगी, जबकि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने केंद्र सरकार का बचाव किया और कहा कि उन्हें इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए आश्वासन पर पूरा भरोसा है। केंद्र द्वारा केरल सरकार को हाल ही लिखे गए पत्र ने राज्य की राजनीति में तूफान खड़ा कर दिया है। पत्र में कहा गया कि राज्य आपदा राहत कोष (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा राहत कोष (एनडीआरएफ) के मौजूदा दिशानिर्देशों के तहत, किसी भी आपदा को ''राष्ट्रीय आपदा'' घोषित करने का कोई प्रावधान नहीं है।

यहां राजस्व मंत्री के राजन ने संवाददाताओं से कहा कि केंद्र को राज्य के प्रति ऐसा ''भयावह रुख'' नहीं अपनाना चाहिए और यह केरल के लिए सही नहीं है। राजन ने कहा, राज्य आपदा राहत कोष (एसडीआरएफ) से पैसा खर्च करने के लिए प्रधानमंत्री और अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल (आईएमसीटी) को आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। एसडीआरएफ से पैसा खर्च करने के लिए राज्य को केंद्र को ज्ञापन-पत्र सौंपने की भी कोई जरूरत नहीं है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे समय में जब राज्य को एसडीआरएफ आकलन के अनुसार सहायता निधि प्राप्त करने का अधिकार है, यह कहकर गलतफहमी पैदा करना ठीक नहीं है कि भूस्खलन प्रभावित वायनाड के पुनर्वास के लिए धन आपदा राहत कोष में आवंटित किया गया था। उन्होंने कहा, यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। माकपा के राज्य सचिव एम वी गोविंदन ने भी इसी तरह के विचार साझा करते हुए कहा कि केंद्र केवल राजनीतिक कारणों'' से वायनाड पुनर्वास के लिए सहायता देने से इनकार कर रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भूस्खलन प्रभावित वायनाड में राहत और पुनर्वास के लिए पर्याप्त सहायता आवंटित करने के लिए राज्य द्वारा केंद्र सरकार पर दबाव डाले जाने के बावजूद, केंद्र ने आज तक इसके लिए एक रुपया भी आवंटित नहीं किया है। उन्होंने कहा, राज्य के प्रति केंद्र की द्वेष भावना इसकी मुख्य वजह है। सहायता केवल राजनीतिक कारणों से अस्वीकार की गई है। गोविंदन ने कहा कि हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दौरे के दौरान आश्वासन दिया था कि भूस्खलन प्रभावित वायनाड के पुनर्वास के लिए राज्य को सभी सहायता दी जाएगी, लेकिन उन्होंने अभी तक अपना वादा पूरा नहीं किया है। हालांकि, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने केंद्र के खिलाफ आलोचनाओं को खारिज कर दिया और कहा कि उन्हें इस संबंध में प्रधानमंत्री के आश्वासन पर पूरा भरोसा है। उन्होंने एर्णाकुलम में संवाददाताओं से कहा, ''हमारे पास पहले से ही धन है। क्या आप (राज्य सरकार) केंद्र सरकार को हिसाब-किताब देते हैं। यह बताते है कि यह पैसा खर्च हो गया है और अधिक धन की जरूरत है।'' जब पत्रकारों ने उनसे वायनाड त्रासदी को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने में केंद्र के रुख के बारे में पूछा तो खान ने उनसे पूछा कि क्या वे घोषणा में रुचि रखते हैं या पुनर्वास में। संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा दोनों ने शुक्रवार को केंद्र के फैसले के विरोध में 19 नवंबर को हड़ताल का आह्वान किया। वायनाड में 30 जुलाई को आई आपदा ने अट्टामाला के कुछ हिस्सों के साथ-साथ मुंडक्कई, चूरलमाला, और नूलपुझा गांव के बड़े हिस्सा में तबाही मचाई थी। सरकार के अनुसार, इस आपदा में 231 लोगों को जान गंवानी पड़ी और 47 लोग अब भी लापता हैं।

उच्चतम न्यायालय ने थूथुकुडी में संयंत्र बंद करने के खिलाफ वेदांता की पुनर्विचार याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के थूथुकुडी में वेदांता समूह के 'कॉपर स्मेल्टिंग प्लांट' (तांबा गलाने वाले संयंत्र) को बंद करने के खिलाफ दाखिल उसकी पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी। शीर्ष अदालत ने स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य और कल्याण के महत्व को रेखांकित करते हुए, प्रदूषण संबंधी चिंताओं के कारण मई 2018 से बंद थूथुकुडी स्थित वेदांता के संयत्र को पुन: शुरू करने की उसकी याचिका को 29 फरवरी को खारिज कर दिया था। यह संयंत्र मई 2018 से बंद है, जब पुलिस ने संयंत्र से होने वाले कथित प्रदूषण के कारण हुए विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए गोलीबारी की थी। इस दौरान 13 लोगों की मौत हो गई थी।

प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ (अब सेवानिवृत्त) और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने समीक्षा याचिका को खुली अदालत में सूचीबद्ध करने के वेदांता के आवेदन को भी खारिज कर दिया। पीठ ने 22 अक्टूबर के अपने आदेश में कहा, पुनर्विचार याचिकाओं की समीक्षा करने के बाद, रिकॉर्ड में कोई गलती नहीं पाई गई है। उच्चतम न्यायालय नियम 2013 के एक नियम के तहत पुनर्विचार के लिए कोई मामला नहीं बनता है। इसलिए, पुनर्विचार याचिकाओं को खारिज किया जाता है।

फिल्म 'अमरण' दिखा रहे सिनेमा हॉल के बाहर पेट्रोल बम फेंके गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली। कुछ अज्ञात बदमाशों ने शनिवार सुबह एक सिनेमा हॉल पर पेट्रोल बम फेंके जहां अभिनेता शिवकार्तिकेयन की फिल्म 'अमरण' दिखायी जा रही थी। यह जानकारी पुलिस ने दी। घटना की जांच कर रही पुलिस ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

हिंदू मुन्नानी संगठन ने कहा कि पुलिस ने घटना के बाद सिनेमाघर में कथित तौर पर प्रवेश करने के लिए संगठन के कार्यकर्ताओं के एक समूह को हिरासत में ले लिया और बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया। पुलिस ने कहा, दो बदमाशों ने मेलपलायम में सिनेमा परिसर की दीवार के अंदर पेट्रोल बम फेंके। इससे विस्फोट हुआ। हालांकि, कोई घायल नहीं हुआ और इससे संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ।

घटना की कड़ी निंदा करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के उपाध्यक्ष नारायणन तिरुपति ने आरोप लगाया कि एसडीपीआई, एमएनएमके, तौहीद जमात जैसे इस्लामी कट्टरपंथी संगठनों ने पहले मेजर मुकुंद वरदराजन की जीवनी 'अमरण' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था, जिन्हें आतंकवाद रोधी अभियान के दौरान उनकी वीरता के लिए मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया गया था। विरोध करने वालों का कहना था कि इसमें मुसलमानों को आतंकवादी के रूप में दिखाया गया है, जो सच नहीं है।

तिरुपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, फिल्म में कई दृश्यों में भारतीय मुसलमानों को शहीद और देशभक्त के रूप में दिखाया गया है। लेकिन फिल्म में कश्मीर में हुई आतंकवादी गतिविधियों को दिखाने की बात बर्दाश्त नहीं होने के कारण कट्टरपंथी संगठनों ने फिल्म के प्रदर्शन के खिलाफ धमकी दी।

उन्होंने कहा कि हालांकि तमिलनाडु के लोगों ने फिल्म का स्वागत किया और इसे बड़ी सफलता दिलायी। नारायणन ने कहा कि इसे पचा पाने में असमर्थ कट्टरपंथी संगठनों ने आज हिंसा का सहारा लिया और उस सिनेमाघर के बाहर पेट्रोल बम फेंके, जहां फिल्म 'अमरण' प्रदर्शित की जा रही थी।

हिन्दू मुन्नानि के एक नेता के अनुसार, संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष वी पी जयकुमार के नेतृत्व में कुछ सदस्य कथित तौर पर थिएटर मालिक को सांत्वना देने के लिए थिएटर गए थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, हमें सिनेमा हॉल के प्रवेश द्वार पर रोक दिया गया। पुलिस ने हमें अंदर जाने से रोका और दावा किया कि हम विरोध करने के लिए एकत्र हुए हैं लेकिन हमने स्पष्ट किया कि हम केवल पीड़ित थिएटर मालिक को सांत्वना देने के लिए वहां आये हैं।

जयकुमार की पुलिस के साथ बहस हुई। उन्होंने बाद में कहा कि उनकी पार्टी के सदस्य विरोध प्रदर्शन के लिए एकत्र नहीं हुए थे। उन्होंने कहा, पुलिस ने हमें सिनेमा हॉल के पास एकत्र हुए मीडियाकर्मियों से मिलने से भी रोक दिया।

त्रिशूर में हाथियों के बिना किया गया 'त्रिशूर पुरम' उत्सव का आयोजन

त्रिशूर/भाषा। केरल उच्च न्यायालय द्वारा उत्सवों या अन्य कार्यक्रमों में हाथियों की परेड की अनुमति देने के लिए शर्तें निर्धारित करने के कुछ दिन बाद उत्सव प्रेमियों के एक समूह ने शनिवार को त्रिशूर में हाथी के बिना ही 'त्रिशूर पूरम' उत्सव मनाकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन प्रसिद्ध वडक्कुनाथन मंदिर के सामने किया गया। यह मंदिर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित त्रिशूर पूरम उत्सव का स्थल है। हाथियों की परेड के स्थान पर प्रदर्शनकारियों ने अपने हाथों में 'नेट्टीपट्टम' (वस्त्र) और 'वेंचामारम' थामे मंदिर के दक्षिणी प्रवेश द्वार पर खड़े होकर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन का आयोजन करने वाले पूरम प्रशंसकों के संगठन 'पूरा प्रेमी संघम' ने कहा कि यह अदालत और सरकार को यह समझाने के लिए था कि कि पारंपरिक अनुष्ठानों और प्रथाओं को बिना किसी अड़चन के जारी रखने की आवश्यकता है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री वी एस सुनील कुमार ने राज्य और केंद्र सरकार से इस मामले पर गौर करने की अपील की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, राज्य सरकार को उच्च न्यायालय के हालिया फैसले में उल्लिखित स्थितियों से व्यावहारिक रूप से निपटने के लिए नया कानून लाने की संभावना पर विचार करना चाहिए।

सम्मान

बेंगलूरु के जेसी रोड स्थित नयना सभागार में शनिवार को 'मानेयांगदल्ली मटुकते' कार्यक्रम के दौरान आयोजक गण अभिनेत्री उमाश्री का सम्मान करते हुए

कृषि मेला

बेंगलूरु में शनिवार को गांधी कृषि विज्ञान केंद्र (जीकेवीके) परिसर में कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेला-2024 के दौरान सप्ताहांत में बड़ी संख्या में किसान व शहर के निवासियों ने भाग लिया। चित्र में युवतियों मेले में फोटो खिंचवाती हुई दर्शित हैं।

कोझिकोड में सहकारी बैंक चुनाव के बीच कांग्रेस और उसके विरोधी गुट में झड़प

कोझिकोड। केरल के कोझिकोड में शनिवार को सहकारी बैंक चुनाव के बीच मतदान के दौरान उस समय हिंसक झड़प देखने को मिली जब कांग्रेस और उसके विरोधी गुट के सदस्य आपस में भिड़ गए जिसके कारण मतदान प्रक्रिया कुछ घंटों के लिए रोकनी पड़ी। कोझिकोड शहर के एक मतदान केंद्र पर 'चेवयूर सर्विस कोऑपरेटिव बैंक' के लिए मतदान के दौरान दोनों गुटों के बीच पहले तीखी नोकझोंक देखी गई और फिर वे आपस में भिड़ गए।

पुलिस ने कड़ी मश्क्कत के बाद दोनों समूहों को शांत कराया। बताया जाता है कि इस दौरान पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। समाचार चैनलों पर प्रसारित दृश्यों के अनुसार, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर फर्जी मतदान करने का आरोप लगाया जिसके कारण ही तीखी नोकझोंक हुई और उनके बीच झड़प शुरू हो गई।

देश की आजादी, जनजाति स्वाभिमान और मिट्टी की मर्यादा के लिए भगवान बिरसा मुंडा का योगदान अविस्मरणीय : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा का नाम सामने आते ही हालात बदल जाते है। महज 25 साल की उम्र भी नहीं हुई और देश की आजादी, जनजाति समाज के स्वाभिमान व मिट्टी के लिए उनका योगदान अकल्पनीय और अविस्मरणीय है। उपराष्ट्रपति धनखड़ भगवान बिरसा मुंडा की 150वी जयंती के उपलक्ष में उदयपुर जिले के सुदूर कोटड़ा कस्बे में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग तथा राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद के तत्वाधान में आयोजित जनजाति गौरव महोत्सव को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि बड़ा अच्छा लग रहा है, जो हमारे मन में है और सदैव प्रातः स्मरणीय हैं उनका आज सम्मान हो रहा है। अगुआ राज, अगुआ राज अर्थात हमारा शासन हमारा शासन यह कहने वाले बिरसा मुण्डा के योगदान को सदैव याद रखा जाएगा। उनकी सोच दूरदर्शी थी और उनका संकल्प था कि हमारा राज आएगा और उनका राज जाएगा। सांस्कृतिक सोच को इस बालक योद्धा ने तीन शब्दों में समाहित कर दिया-जल, जंगल और जमीन। उन्होंने बिरसा मुण्डा को इस धरती का पुजारी और पर्यावरण का हितैषी बताते हुए कहा कि आपके दृढ़ संकल्प को सच होता देखकर मेरा मन अति प्रसन्न है कि अब अपना देश बदल रहा है। देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति के पद पर जनजाति की महिला श्रीमती द्रोपदी मूर्मु बिराजमान है और यह हम सभी के लिए गौरव की बात है। यह सम्मान कोई बक्शीस नहीं है, आपका और हमारा अधिकार और उस अधिकार को प्राप्त कर पद को सुशोभित किया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि संसद में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा हमें हमेशा प्रेरित करेंगी। राष्ट्र भावना का संचार करेंगी।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि आजादी की लड़ाई में हजारों लाखों लोगों ने योगदान दिया। पता नहीं क्यों इतिहासकारों ने बिरसा मुंडा के योगदान, मानगढ़ धाम के बलिदान को भूला दिया। आजादी के अमृतकाल में आजादी की लड़ाई के भूले बिसरे नायकों को सम्मान दिया जा रहा है। हर वर्ष 15 नवंबर को बिरसा मुण्डा जी की जन्म जयंती को राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस के रूप मनाया जा रहा है।

उपराष्ट्रपति महोदय ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का पूरा जीवन राष्ट्रवाद का संदेश है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि सभी इस महापुरूष को समझे और इनके कृत्य को आदर्श माने और हमेशा राष्ट्रवाद को सर्वापरि रखे। भारतीयता हमारी पहचान, भारत हमारी माता, राष्ट्रवाद हमारा धर्म और राष्ट्रहित सर्वापरि है। उन्होंने कहा कि बिरसा मुण्डा को स्वाभाविक रूप से भगवान कहा गया है क्योंकि उनका आचरण, उनकी नैतिकता, उनकी ताकत, उनकी दूरदृष्टि, उनका लक्ष्य जमीन से जुड़ा है और सिर्फ यहीं तक उनका काम सीमित नही रहा। यह वो व्यक्ति थे जिन्होंने हमें जल जंगल जमीन का महत्व बताया। जनजाति के लोग पर्यावरण के महत्व को सिखाते हैं।

धनखड़ ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ते कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि माताओ बहनों के लिए बहुत बड़ा बदलाव कानून में किया गया है। अब हमारी माताएं बहनें लोकसभा में एक तिहाई या उससे ज्यादा हो सकती हैं लेकिन कम नहीं। राजस्थान में कम से कम जनजाति समाज की 8 महिलाएं हर बार विधानसभा में जाएंगी। आपकी उपस्थित, आपकी सोच, नीति निर्माण का तरीका औरां के लिए प्रेरणादायक होगा।

उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता और भगवान बिरसा मुंडा अमर रहे के जयघोष के साथ किया। इस दौरान पांडाल में मौजूद हजारों लोगों ने भी जयकारे लगाए। उपराष्ट्रपति ने अपने उद्बोधन के अंत में भगवान बिरसा मुंडा, अमर रहे के साथ सभी का अभिवादन किया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश के जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जनजाति गौरव के प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार जनजाति संस्कृति और सम्मान को पुनर्जीवित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम के प्रारंभ में वनवासी कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह खारवा एवं राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री भगवान सहाय ने माननीय उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। सह संगठन मंत्री भगवान सहाय ने वनवासी कल्याण परिषद के विभिन्न प्रकल्पों और गतिविधियों की जानकारी दी तथा युवा कौशल उन्नयन, महिला सशक्तिकरण और जनजाति अंचल के सर्वतोमुखी विकास के लिए चलाई जा रही परियोजनाओं के बारे में बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष खारवा ने परिषद की स्थापना के उद्देश्य और जनजाति उत्थान के लक्ष्य को रेखांकित किया। समारोह में जिले के प्रभारी एवं राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, लोकसभा सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, गोगुंदा विधायक प्रताप भील, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, उप जिला प्रमुख पुष्करलाल तेली, संभागीय आयुक्त सुप्रज्ञा केवलरमानी, सीईओ जिला परिषद हेमेंद्र नागर, उपखंड अधिकारी हंसमुख कुमार सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन राधिका लढडा ने किया। कोटड़ा में आयोजित जनजाति गौरव महोत्सव में उपराष्ट्रपति माननीय जगदीप धनखड़ ने जनजाति प्रतिभाओं का सम्मान किया। धनखड़ ने एमबीबीएस चिकित्सक डॉ. रामलाल मीणा, डॉ. कन्हैयालाल मीणा, अंतर्राष्ट्रीय तीरंदाज धनेश्वर मईड़ा तथा अंतर्राष्ट्रीय तीरंदाज नरेश डामोर को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

एसडीएम को थप्पड़ मारने वाले निर्दलीय प्रत्याशी को न्यायिक हिरासत में भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर राजस्थान के टोंक जिले में देवली-उनियारा विधानसभा उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी को एक नाटकीय घटनाक्रम और हिंसा के बाद गिरफ्तार किए जाने के एक दिन पश्चात शुक्रवार को यहां हालात स्थिर और नियंत्रण में हैं और मीणा को अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एक मतदान केंद्र के बाहर 13 नवंबर को चुनाव ड्यूटी पर तैनात मालपुरा के उप-खंड मजिस्ट्रेट (एसडीएम) अमित चौधरी को थप्पड़ मारने वाले कांग्रेस के बागी नेता मीणा को नाटकीय घटनाक्रम और हिंसा के बाद बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया। हिंसा के दौरान भीड़ ने 'पीटीआई' के संवाददाता और कैमरामैन पर हमला कर उनका कैमरा जला दिया।

टोंक से कांग्रेस विधायक एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने हिंसा के लिए राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि लोगों पर हमला करने के लिए सरकारी तंत्र तैनात किया गया था। पुलिस ने कानून और व्यवस्था का हवाला देते हुए उन्हें टोंक जिले के निवाई में ऑनलाइन माध्यम से एक अदालत में पेश किया।

संभावना थी कि मीणा को अदालत में प्रत्यक्ष रूप से पेश किया जाएगा। हालांकि, योजना बदल दी गई क्योंकि उनके समर्थक विभिन्न स्थानों पर इकट्ठा होने लगे और जयपुर-कोटा राजमार्ग को अवरुद्ध करने की चेतावनी दी।

निर्दलीय उम्मीदवार की पैरवी करने वाले अधिवक्ता सीताराम शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, पुलिस द्वारा कानून व्यवस्था का हवाला दिए जाने के बाद अदालत ने नरेश मीणा को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश करने के निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान अदालत ने मीणा को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

अशोक गहलोत के बयान पर मदन राठौड़ ने दी प्रतिक्रिया, कहा- 'बांटने का काम कांग्रेस ने किया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । देश में वर्तमान में 'बंटोगे तो कटोगे' नारे को लेकर सियासत गरमाई हुई है। कांग्रेस इस नारे पर कड़ी आपत्ति जता रही है, तो वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस पर सवाल उठाए हैं। इस बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बांटने का काम कांग्रेस ने किया है। आजादी से पहले भी कांग्रेस ने देश को बांटा था। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस धर्म के आधार पर विभाजन की राजनीति कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 140 करोड़ लोगों को अपना परिवार माना है। यह बात सही है कि 'एक रहोगे तो सेफ रहोगे'। अगर कांग्रेस को इस नारे से ऐतराज है, तो इसका मतलब कांग्रेस को एक रहने से दिक्कत है।

मदन राठौड़ ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने गहलोत के बयान को लेकर कहा कि कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। सबका नजरिया अलग है। हमारा साफ है, एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में एक विशेष व्यक्ति ने गहलोत की मौजूदगी में कहा था हम सड़क पर आ आएंगे तो गजब हो जाएगा, तब उन्होंने कुछ नहीं कहा था।

राजस्थान में टोंक जिले की देवली-उनियारा विधानसभा सीट के लिए हो रहे उपचुनाव में बुधवार को मतदान के दौरान निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा ने समरावता गांव में एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मार दिया था। इस पर मदन राठौड़ ने कहा कि एसडीएम पर ऐसी कोई भी घटना स्वीकार्य नहीं है। अगर किसी जनप्रतिनिधि को कोई शिकायत है तो आगे अधिकारियों से शिकायत करे। उसे अपना आपा नहीं खोना चाहिए। नरेश मीणा के राजनीतिक जीवन की अभी शुरुआत हुई है, उन्हें आप क्या सलाह देंगे। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें संयम बरतने और मर्यादा रखने की जरूरत है। उसी से वह आगे बढ़ेंगे।

बता दें कि राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने सीएम योगी और पीएम नरेंद्र मोदी के चुनावी नारे पर आपत्ति जताई और भारतीय निर्वाचन आयोग से सवाल किया था। उन्होंने कहा था कि ये बंटोगे तो कटोगे की बात कर रहे हैं। यह एक मुख्यमंत्री बोल रहे हैं। '

महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन को जिताएगा राजस्थानी समाज : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कांग्रेस और इसके सहयोगी राजनीतिक दलों पर सिर्फ झूठ एवं लूट की बात करने का आरोप लगाते हुए कहा हैं कि चुनाव के समय अफवाहों को सहारा लेने वाली कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है लेकिन महाराष्ट्र की जनता इन भ्रष्टाचारियों को वोट की चोट से सबक सिखाएगी और महाराष्ट्र में राजस्थानी समाज महायुति गठबंधन को जितायेगा।

शर्मा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के तहत पुणे के भोसरी में आयोजित राजस्थानी समाज सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने महायुति प्रत्याशी महेश किसनराव लांडगे को समर्थन देकर विजयी बनाने के लिए अपील भी की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इसके सहयोगी सिर्फ झूठ एवं लूट की बात करते हैं तथा महाअघाड़ी गठबंधन नहीं बल्कि ठगबंधन है, जिसने जनता को ठगा है। महाराष्ट्र को ऐसे ठगबंधन की जरूरत नहीं है, जो जनता को धोखे के सिवा कुछ न दे सके।

उन्होंने कहा कि चुनाव के समय अफवाहों को सहारा लेने वाली कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है लेकिन महाराष्ट्र की जनता इन भ्रष्टाचारियों को वोट की चोट से सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के सबसे मजबूत लीडर हैं, जिनके नेतृत्व में भारत का पूरी दुनिया में डंका बज रहा है। वर्ष 2014 के बाद आये परिवर्तन को सभी ने देखा है। गरीब कल्याण की योजनाएं, सीमाओं की सुरक्षा, आतंकवाद का खात्मा और दुनिया में बढ़ता हुआ गौरव इसका प्रमाण है। शर्मा ने कहा कि हर राजस्थानी राष्ट्र और समाज के प्रति समर्पित होता है तथा उनके लिए राष्ट्रवादी विचारधारा ही सर्वोपरि होती है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और राजस्थान स्वाभिमान की धरती है जहां राजस्थान में महाराणा प्रताप, महाराजा सूरजमल एवं महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी जैसे वीर योद्धा हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों का राजस्थान की संस्कृति, विचार एवं मर्यादा को संजोए रखने में अहम योगदान है। यह गर्व का विषय है कि दुनिया के किसी भी कोने में रहते हुए राजस्थान की संस्कृति से जुड़ा हुआ रहता है। इस जुड़ाव के कारण ही राजस्थानी व्यवसाय के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों में भी आगे रहता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार में युवाओं के साथ कुठाराघात हुआ और पूरे प्रदेश में गैंगस्टर्स का बोलबाला था जबकि राजस्थान में हमारी सरकार ने गठन के साथ ही पेपरलीक के मामलों की जांच के लिए एसआईटी एवं गैंगस्टर्स माफिया को खत्म करने के लिए एंटी गैंगस्टर्स टास्क फोर्स का गठन किया और अपराधियों पर शिकंजा कसा।

ई-मण्डी प्लेटफार्म के माध्यम से होगी डिजिटल : राजन विशाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । राजस्थान बजट घोषणा वर्ष 2024-25 में 'खेत से खरीद' ई-मण्डी प्लेटफार्म के माध्यम से सीधे कृषकों को खेत से खरीद की सुविधा की घोषणा की गई, जिसके अन्तर्गत ई-मण्डी प्लेटफार्म के माध्यम से सीधे कृषकों के खेत से खरीद की सुविधा प्रदान करना शामिल है। सम्पूर्ण मण्डी समिति की प्रक्रिया को ई-मण्डी प्लेटफार्म के माध्यम से किये जाने के लिए आवक से लेकर जावक गेट पास की सम्पूर्ण प्रक्रिया को ऑनलाईन किया जावेगा। जिसमें मुख्यतया ई-ऑक्सन एवं ई-भुगतान प्रक्रिया को अपनाया जायेगा।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने बताया कि प्रदेश की मण्डियॉ ई-प्लेटफार्म के माध्यम से डिजिटल होगी जिससे ई-ऑक्शन के माध्यम से व्यापारियों को किसी भी स्थान पर भौतिक रूप से उपस्थित हुये बिना ही भाव लगाने का अवसर प्राप्त हो सकेगा।

बजट घोषणा के क्रियान्वयन के क्रम में मध्यप्रदेश में संचालित ई-मण्डी प्लेटफार्म का अध्ययन करने हेतु राजस्थान राज्य कृषि विपणन विभाग के 5 अधिकारियों का दल उज्जैन एवं देवास मण्डी के भ्रमण हेतु भेजा गया। अध्ययन दल के द्वारा भ्रमण कर प्राप्त सूचना एवं व्यवहारिक रूप से संचालित गतिविधियों को समझने एवं देखने के पश्चात मध्यप्रदेश की मण्डियों में संचालित ई-मण्डी प्लेटफार्म ई-अनुज्ञा, ई-मण्डी, फार्मगेट को प्रदेश में लागू किये जाने के संबंध में सुझाव प्रस्तुत किया।

कृषि विपणन निदेशक राजेश चौहान ने बताया कि बजट घोषणा के क्रियान्वयन हेतु खेत से खरीद की परिकल्पना को पूर्ण करने एवं नियमन व्यवस्था को सुदृढ करने के लिए ई-मण्डी प्लेटफार्म विकसित किया जाना प्रस्तावित हैं, जिससे प्रदेश के किसानों एवं व्यापारियों को बेहतर विपणन सुविधाऐं प्राप्त हो सकेगी।

ई-मण्डी प्लेटफार्म के विकसित होने से किसान को अपने खेत से राज्य की किसी भी मण्डी में कृषि जिन्स के विक्रय के विकल्प की सुविधा प्राप्त हो सकेगी अर्थात कहीं से भी कभी भी ई-मण्डी प्लेटफार्म के माध्यम से विक्रय कर सकेगा।

जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त हो सकेगा। साथ ही मण्डी समिति को सभी प्रकार की सूचनाऐं पंजीकृत व्यापार, मण्डी में आने वाले किसान, मण्डी शुल्क, भाव एवं आवक-जावक रिकॉर्ड एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेगी। ई-भुगतान की सरल प्रक्रिया से किसानों एवं व्यापारियों को सुगमता, मण्डी रिकॉर्ड एवं नियमन की दृष्टि से अनियमितता कम हो सकेगी। किसान खेत से अपनी उपज की पूर्ति तथा व्यापारी की मांग के आधार पर निर्णय ले सकेगें।

मीडिया के बदलते स्वरूप ने उपभोक्तावाद को दिया बढ़ावा : सक्सेना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष प्रेस की प्रतिनिधि संस्था भारतीय प्रेस परिषद द्वारा घोषित राष्ट्रीय प्रेस दिवस 16 नवम्बर को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित कर मनाया। विभाग की अतिरिक्त निदेशक श्रीमती अलका सक्सेना के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस संगोष्ठी का विषय प्रेस के बदलते स्वरूप रखा गया।

सूचना केंद्र में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती अलका सक्सेना ने कहा कि प्रेस के बदलते स्वरूप के साथ विभाग की कार्य प्रणाली में भी अंतर आया है। जहां पहले केवल प्रिंट मीडिया ही सरकार की रीति-नीति, कार्यों के प्रचार प्रसार का एकमात्र माध्यम था वहीं अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया, डिजिटल मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क सकारात्मक एवं सत्य तथ्यों पर आधारित होता है।

विभाग की साहित्य शाखा में कार्यरत उपनिदेशक रजनीश शर्मा ने कहा कि बदलते समय के साथ प्रेस की भूमिका, उद्देश्य और लक्ष्य में भी बदलाव आए हैं। आजादी से पूर्व देश की स्वतंत्रता ही मीडिया का लक्ष्य था और आजादी के बाद मीडिया का केंद्र बिंदु देश का विकास बन गया। वर्तमान में ग्लोबल विलेज पर आधारित जनमत तैयार करना प्रेस का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सूचना अल्प समय में ही एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंच रही है लेकिन उसके साथ ही सूचना की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिह्न भी लग रहे हैं। उपनिदेशक आशीष खंडेलवाल ने मीडिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते उपयोग और प्रभाव पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के दौर ने मानव को उत्पाद बना दिया है, जहां हमारे लिए जरूरत से ज्यादा सूचना या जानकारी उपलब्ध है।

मीणा की रिहाई को लेकर जगह-जगह रैलियां, पोस्टर में भगत सिंह से तुलना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नरेश मीणा की गिरफ्तारी अब जातिगत गोलबंदी का रूप लेती जा हरी है। उनके समर्थक अब मीणा समाज के नेताओं को फोन कर समर्थन की मांग कर रहे हैं। इसके कई वीडियो और ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहे हैं। वहीं नरेश के समर्थन में मीणा समाज की तरफ से आज देवली-उनियारा सहित कई जगहों पर रैलियां निकाली जा रही हैं।

रैलियों में जो पोस्टर लहराए जा रहे हैं उनमें नरेश मीणा को भगत सिंह की तरह पेश किया जा रहा है। यही नहीं उनके समर्थन में स्थानीय भाषा में गाने भी तैयार किए जा रहे हैं। प्रशासन के लिए अब यह ट्रेंड बड़ी मुश्किल खड़ी कर रहा है। शुक्रवार को नरेश को उन्हें मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया। मजिस्ट्रेट ने नरेश को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

नरेश के खिलाफ पुलिस ने 10 अगल-अलग धाराओं में मुकदमें दर्ज किए हैं। इसके अलावा उनके पूर्व के मुदकमों पर भी अब गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मौजूदा घटनाक्रम में नरेश मीणा के खिलाफ हत्या का प्रयास और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसी बड़ी धाराओं में केस दर्ज किए गए हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर कई अधिवक्ता अब नरेश के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट तक जाने की बात कह रहे हैं।

पूरे घटनाक्रम में एसडीएम की कार्यशैली को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। ऑन कैमरा एसडीएम अमित चौधरी ने यह स्वीकार किया है कि जिला कलेक्टर के कहने पर उन्होंने कुछ लोगों को समरावता में वोट डालने के लिए कहा था। चुनाव से जुड़े विशेषज्ञ कह रहे हैं कि एसडीएम ने चुनावी नियमों के बाहर जाकर यह काम किया है इसके लिए वे दोषी हैं।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का राहुल गांधी पर हमला, कहा- संविधान का सम्मान करना सीखें

बीकानेर/दक्षिण भारत। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी ने संविधान को सही तरीके से नहीं पढ़ा है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी को संविधान के चैप्टर और आर्टिकल तक का पता नहीं है। उन्होंने सिर्फ संविधान लहराने का काम किया है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में संविधान दिवस को गरिमा के साथ मनाया।

मेघवाल ने राहुल गांधी पर संविधान का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा, मोदी जी संविधान का सम्मान करते हैं, लेकिन राहुल गांधी इसे केवल एक औपचारिकता के रूप में देखते हैं। देश का अपमान करना छोड़ें और यदि हमारी आलोचना करनी है, तो तथ्यों के साथ करें। ये बातें मेघवाल ने बीकानेर में भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर इन लाइब्रेरी आडिटोरियम के नवीन भवन का शिलान्यास के दौरान कही।

देवली में उप चुनाव के दौरान एसडीएम को नरेश मीणा द्वारा थप्पड़ मारे जाने की घटना पर मेघवाल ने कहा, यह घटना बेहद दुखद और निंदनीय है। दोषी को सज़ा जरूर मिलेगी। अपराधी को किसी भी सूरत में छोड़ा नहीं जाएगा।

कार दुर्घटनाग्रस्त होने से दो विदेशी महिला पर्यटक घायल

भरतपुर राजस्थान में भरतपुर के नदबई थाना क्षेत्र में नदबई-कुम्हेर सड़क मार्ग पर गांव रायसीस के पास शनिवार को कार दुर्घटनाग्रस्त होने से दो विदेशी महिला पर्यटक घायल हो गये। उत्तर प्रदेश के गोवर्धन से गिरिराज जी की परिक्रमा देकर जयपुर लौट रही रूस निवासी ईरीना (29) और येकेचेरिना (28) को घायल हालत में नदबई के राजकीय उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों के प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी स्थिति स्थिर एवं खतरे से बाहर बताई है।

झांसी मेडिकल कॉलेज में आग: मृतक शिशुओं के परिवारों को 5-5 लाख रु. की आर्थिक सहायता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आग लगने से कम से कम 10 नवजात शिशुओं की मौत, इस हादसे में घायल हुए 16 अन्य बच्चे जीवन के लिए कर रहे हैं संघर्ष

लखनऊ/झांसी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में आग लगने से कम से कम 10 नवजात शिशुओं की मौत के कुछ घंटों बाद, राज्य सरकार ने शनिवार को मृतकों के माता-पिता को पांच-पांच लाख रुपए की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। उत्तर प्रदेश सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शनिवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू में हुई इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने घटना की त्रिस्तरीय जांच के आदेश भी दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बच्चों की मौतों पर शोक व्यक्त किया और प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपए की सहायता देने की घोषणा की। बयान में कहा गया है, ''घटना में असामयिक मृत्यु का शिकार हुए नवजात शिशुओं के माता-पिता को मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्यमंत्री राहत कोष से पांच-पांच लाख रुपए और घायलों के परिजनों को 50-50 हजार रुपए की सहायता प्रदान की जा रही है।'' इस बीच, प्रयागराज के फूलपुर में शनिवार दोपहर को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि झांसी मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग से दर्दनाक त्रासदी हुई और 10 नवजातों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि अन्य बच्चों को बचाया जाए, हम राहत और बचाव प्रयासों का समन्वय करते हुए पूरी रात जागते रहे और इसीलिए यहां पहुंचने में देरी हुई। पुलिस और प्रशासन लगातार काम कर रहे हैं।

इससे पहले, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक बयान में कहा गया कि शुक्रवार देर रात घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) को मौके पर भेजा। इसमें बताया गया कि मुख्यमंत्री रात भर घटनास्थल से हर पल की जानकारी लेते रहे।

बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने झांसी के संभागीय आयुक्त और पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) को घटना के संबंध में 12 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में शुक्रवार रात महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में आग लगने से 10 शिशुओं की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में घायल हुए 16 अन्य बच्चे जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) अविनाश कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज की नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में शुक्रवार रात करीब पौने 11 बजे आग लग गई, जो संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी।

झांसी में शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच सात बच्चों का पोस्टमार्टम हुआ। तीन बच्चों के माता-पिता की पहचान न होने पर उनका पोस्टमार्टम नहीं हो पाया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

मणिपुर में तीन लोगों की मौत को लेकर दो मंत्रियों और तीन विधायकों के घरों में घुसी भीड़

इंफाल/भाषा। मणिपुर के इंफाल में शनिवार को प्रदर्शनकारी जिरिबाम जिले में तीन लोगों की मौत के सिलसिले में न्याय की मांग करते हुए दो मंत्रियों तथा तीन विधायकों के आवास में घुस गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। विधायकों के घरों पर भीड़ के घुस जाने के बाद इंफाल पश्चिम (जिला) प्रशासन को जिले में अनिश्चित काल के लिए निषेधाज्ञा लगानी पड़ी।

इंफाल पश्चिम के जिलाधिकारी टी किरण कुमार द्वारा जारी किये गये आदेशानुसार शनिवार को अपराह्न साढ़े चार बजे कर्फ्यू लगा दिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यहां लामफेल सनाकेथेल इलाके में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री सपाम रंजन के आवास में भीड़ घुस गयी। लामफेल सनाकीथेल विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधि डेविड ने संवाददाताओं से कहा, ''सपाम ने हमें आश्वासन दिया कि तीन लोगों की मौत से संबंधित मुद्दों पर मंत्रिमंडल की बैठक में चर्चा की जाएगी और अगर सरकार जनता की भावनाओं का सम्मान करने में विफल रहती है तो मंत्री अपना इस्तीफा दे देंगे।'' एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारी उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री एल सुसिंद्रो सिंह के घर में भी घुस गये। इंफाल पश्चिम जिले के सागोलबंद इलाके में प्रदर्शनकारियों ने भाजपा विधायक आर के इमो के आवास के सामने एकत्र होकर नारेबाजी की। इमो मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के दामाद भी हैं। प्रदर्शनकारियों ने तीन लोगों की मौत पर सरकार से उचित कार्रवाई की मांग की और अधिकारियों से '24 घंटे के भीतर अपराधियों को गिरफ्तार करने' की अपील की।

संविधान देश का डीएनए है, लेकिन भाजपा-आरएसएस के लिए यह एक कोरी किताब है : राहुल

अमरावती/चिमूर/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी संविधान को देश का 'डीएनए' मानती है, लेकिन सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के लिए यह एक कोरी किताब है। पूर्वी महाराष्ट्र के अमरावती जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि संविधान में यह कहीं भी नहीं लिखा है कि विधायकों की खरीद-फरोख्त के जरिये राज्यों में सरकारें गिराई जा सकती हैं, जैसा कि महाराष्ट्र में किया गया। उन्होंने कहा कि इसमें यह भी नहीं लिखा है कि बड़े उद्योगपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया जा सकता है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया, कांग्रेस संविधान को देश का डीएनए मानती है, जबकि भाजपा और आरएसएस के लिए यह एक कोरी किताब है। राहुल की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के इस दावे के मद्देनजर आई है कि कांग्रेस नेता अपनी चुनावी रैलियों में संविधान की ऐसी प्रति दिखा रहे हैं, जिसके अंदर के पन्ने खाली हैं। राहुल ने कहा, मेरी बहन ने मुझे बताया कि प्रधानमंत्री मोदी इन दिनों उसी मुद्दे पर बोल रहे हैं, जिसे मैं उठाता रहा हूं। मैंने लोकसभा में उनसे कहा था कि जाति जनगणना होनी चाहिए और आरक्षण पर 50 फीसदी की सीमा हटाई जानी चाहिए। अब वह अपनी चुनावी रैलियों में कह रहे हैं कि मैं आरक्षण के खिलाफ हूं। वह अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति की तरह भूलने की बीमारी से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अब कहेंगे कि राहुल गांधी जाति जनगणना के खिलाफ हैं।

'बंटेंगे तो कटेंगे' हकीकत है : भाजपा नेता विनोद तावड़े

पुणे/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए जारी चुनाव-प्रचार अभियान के दौरान उनकी पार्टी द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा नारा 'बंटेंगे तो कटेंगे' एक हकीकत है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने चुनावी भाषणों में अक्सर इस नारे का इस्तेमाल किया है। जबकि भाजपा की राज्य ईकाई की नेता पंकजा मुंडे और अशोक चव्हाण ने कहा कि कथित सांप्रदायिक रंग वाला ऐसा संदेश महाराष्ट्र में उचित नहीं है। तावड़े ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शुक्रवार को यहां संवाददाताओं से कहा, ''बटेंगे तो कटेंगे हकीकत है।'' महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री ने कहा, ''जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडित अलग-अलग हुए और नतीजा यह हुआ कि उन्हें काट दिया गया। जो चाहते हैं कि देश का विकास हो अगर खुद बंट जाएंगें तो दूसरों को फायदा होगा। इसलिए जातियों एवं समुदायों में मत बंटो और इसीलिए 'एक है तो सुरक्षित हैं' का नारा भी उतना ही महत्वपूर्ण है।''

राहुल गांधी के संसद में आने के बाद से लोकसभा में बहस का स्तर गिरा : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संसद में आने के बाद से लोकसभा में बहस का स्तर गिर गया है।

संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा और महायुति के पक्ष में एक खामोश लहर है और 'लाडकी बहिन' योजना से सत्तारूढ़ गठबंधन को लाभ होगा। रीजीजू 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान के लिए यहां आए हैं। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी के आने के बाद से लोकसभा में बहस का स्तर गिर गया है। हमारे पास ऐसे लोग हैं जो बात कर सकते हैं और बहस कर सकते हैं लेकिन ऐसा लगता है कि कांग्रेस के पास ऐसा कोई नहीं है, और जो लोग बहस करना चाहते हैं वे राहुल गांधी से डरते हैं।'' रीजीजू ने दावा किया कि कांग्रेस के कई वरिष्ठ सांसदों ने उन्हें बताया है कि वे बहस और चर्चा करना चाहते हैं लेकिन नेता विपक्ष नहीं चाहते क्योंकि वह बहस नहीं कर सकते और वह कुछ एनजीओ द्वारा दी गई चिट पढ़ते हैं। उन्होंने गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें दलितों, आदिवासियों, संविधान और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के बारे में बोलने का अधिकार नहीं है। वक्फ (संशोधन) विधेयक के विरोध के बारे में पूछने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान यह विधेयक पारित किया जाएगा।

ऐसा लगता है कि नीतीश जी फिर कहीं जाने वाले हैं: बिहार कांग्रेस प्रमुख

पटना/भाषा। कांग्रेस की बिहार इकाई के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का बार-बार यह कहना कि वह राजग के साथ हैं, इस बात का संकेत है कि जनता दल (यूनाइटेड) सुप्रीमो, जिन्होंने कई बार रुख बदला है, ऐसा लगता है कि एक बार फिर कहीं जाने वाले हैं। अखिलेश ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। जब सिंह का ध्यान जमुई में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री की मौजूदगी में दिए गए कुमार के भाषण की ओर दिलाया गया तो उन्होंने यह बात कही।

'कुछ मुस्लिम संगठन मुसलमानों से 'इंडि' गठबंधन को वोट देने की अपील कर रहे हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को आरोप लगाया कि कुछ मुस्लिम संगठन महाराष्ट्र और झारखंड में अपने समुदाय के सदस्यों से धर्म के आधार पर 'इंडिया' गठबंधन को वोट देने की अपील करके चुनावी माहौल को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा ने निर्वाचन आयोग और उच्चतम न्यायालय से इस मामले में कार्रवाई करने का आग्रह किया। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के पदाधिकारी मौलाना सज्जाद नोमानी ने कहा है कि संगठन ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 269 सीटों पर महा विकास आघाडी (एमवीए) और कुछ सीटों पर अन्य भाजपा विरोधी दलों को समर्थन देने का फैसला किया है। भाटिया के अनुसार नोमानी ने मुसलमानों से एमवीए को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के भविष्य पर असर डालेंगे। भाटिया ने दावा किया कि इससे पहले जमीयत उलेमा-ए-हिंद की लोहरदगा इकाई ने मुसलमानों से झारखंड में कांग्रेस-झामुमो-राजद-भाकपा (एम-एल) गठबंधन को एकजुट होकर वोट देने की अपील की थी। उन्होंने कहा, इसे वोट जिहाद कहा जाता है। भाटिया ने कहा, यह महाराष्ट्र में एमवीए और झारखंड में कांग्रेस-झामुमो द्वारा की जा रही तुष्टीकरण की राजनीति की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर वोट की अपील करना भ्रष्ट आचरण के समान है। भाटिया ने कहा, भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, जहां चुनाव मां गंगा की तरह पवित्र होने चाहिए। हम बहुत चिंताजनक प्रवृत्ति देख रहे हैं कि सत्ता की लालसा के लिए कांग्रेस, शरद पवार, उद्धव ठाकरे घुसपैठियों को खुश करने, उन्हें अपनाने और अवैध प्रवासियों को 'आई लव यू' कहने के लिए तैयार हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का ध्यान केवल कुर्सी बचाने पर : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खरगे का दावा, हवाई अड्डे के आरक्षित लाउंज में जाने की इजाजत नहीं दी जा रही

रांची/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना करते हुए उन पर लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देने के बजाय केवल अपने पद को बचाने पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया।

खरगे ने राज्य चुनावों पर प्रधानमंत्री के गहन ध्यान की आलोचना करते हुए कहा, ''किसी प्रधानमंत्री द्वारा एक छोटे से राज्य में चुनाव जीतने के लिए 24 घंटे और इतनी ऊर्जा खर्च करना अभूतपूर्व है। प्रधानमंत्री मोदी लोगों के लिए नहीं, बल्कि अपनी कुर्सी बचाने के लिए काम कर रहे हैं।'' खरगे ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, ''प्रधानमंत्री मोदी गरीबों के लिए नहीं, बल्कि अपने लिए काम करते हैं।'' उन्होंने बढ़ती महंगाई और आवश्यक वस्तुओं की आसमान छूती कीमतों को जनता की चिंताओं को दूर करने में प्रधानमंत्री की विफलता का सबूत बताया। खरगे ने मोदी के ट्रैक रिकॉर्ड, विशेषकर गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में उनके लंबे कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए पूछा, ''सत्ता में लगभग 25 साल बिताने के बाद, क्या वह गुजरात में गरीबी उन्मूलन में कामयाब हो पाए?'' उन्होंने अहमदाबाद और मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन परियोजना के बारे में भी चिंता जताई और इसकी अत्यधिक लागत पर सवाल उठाया। खरगे ने परियोजना के बजट को एक लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर तीन लाख करोड़ रुपए करने का जिक्र करते हुए पूछा कि क्या 500 किलोमीटर के हिस्से पर तीन लाख करोड़ रुपए खर्च करना उचित है, जबकि परियोजना का एक पुल ढह गया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने भारतीय जनता पार्टी पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी के विवादास्पद नारे ''बंटेंगे तो कटेंगे'' की निंदा नहीं की। उन्होंने दावा किया कि यह नारा मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए बनाया गया।

रांची/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर हमला करते हुए कहा कि कैबिनेट मंत्री का दर्जा होने के बावजूद विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) को हवाई अड्डे के आरक्षित लाउंज तक पहुंच उपलब्ध नहीं कराई जा रही और सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री के लिये शौचालय भी आरक्षित किया जा सकता है। साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने और राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर में कथित रूप से देरी करवाने के लिये मोदी और शाह की आलोचना की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर को उड़ान भरने में शुक्रवार को दो घंटे की देरी हुई थी, जिसके बाद कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह देरी राजनीति से प्रेरित थी। अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लगभग दो घंटे तक देवघर हवाईअड्डे पर फंसे रहे थे और क्षेत्र को 'नो-फ्लाई जोन' घोषित कर दिया गया था क्योंकि प्रधानमंत्री खराबी ठीक होने तक वहीं इंतजार कर रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''कल हमारे नेता राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर में जानबूझकर दो की घंटे की देरी की गयी, क्योंकि प्रधानमंत्री अपने विमान में बैठे थे। आज मेरे हेलीकॉप्टर को 20 मिनट देरी से उतारा गया, क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह उतर रहे थे। उनका रास्ता अलग था और मेरा रास्ता अलग था।''

उप्र लोक सेवा आयोग पर धरना पूरी तरह समाप्त, सबकी नजरें अब समिति की रिपोर्ट पर

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सामने 11 नवंबर से जारी छात्र आंदोलन अब पूरी तरह से समाप्त हो गया है और आयोग के सामने की सड़क पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बहाल कर दिया गया है। सहायक पुलिस आयुक्त (सिविल लाइंस) श्यामजीत सिंह ने बताया कि आयोग के सामने बैठे 10-15 छात्रों को शुक्रवार की रात नौ बजे समझाया गया जिसके बाद वे सभी अपने घर चले गए। आयोग के सामने की सड़क को वाहनों के आवागमन के लिए पूरी तरह से खोल दिया गया है।

छात्र नेता पंकज कुमार पांडेय ने कहा कि पीसीएस-प्री की परीक्षा की तिथि घोषित होने के बाद अब सभी छात्र पढ़ाई में जुट गए हैं। हालांकि, आरओ-एआरओ की परीक्षा को लेकर छात्रों की नजर अब आयोग की समिति की रिपोर्ट पर है। उन्होंने कहा कि पीसीएस परीक्षा की तिथि घोषित होने से छात्र आश्वस्त हैं कि आयोग उनकी दूसरी मांग भी मानेगा और एक ही दिन में आरओ-एआरओ की परीक्षा कराएगा। उल्लेखनीय है कि उप्र लोक सेवा आयोग ने पीसीएस-प्री की परीक्षा 22 दिसंबर को दो पालियों में कराने की घोषणा की जिसका छात्रों ने स्वागत किया। इससे पूर्व, आयोग ने पीसीएस-प्री की परीक्षा के लिए सात और आठ दिसंबर तथा समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ..एआरओ) प्री की परीक्षा के लिए 22 और 23 दिसंबर की तिथि घोषित की थी।

राहुल गांधी वादे कर विदेश चले जाते हैं, सिर्फ भाजपा अपनी गारंटी पूरी करती है : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मधुपुर (झारखंड)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शनिवार को दावा किया कि पार्टी नेता राहुल गांधी वादे करने के बाद विदेश चले जाने में यकीन रखते हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी अपनी हर गारंटी पूरी करती है।

झारखंड के देवघर जिले के मधुपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासनकाल में जहां आतंकवादियों ने न सिर्फ भारत को निशाना बनाया, बल्कि लोगों को मारने के बाद बिरयानी का लुत्फ भी उठाया, वहीं दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हवाई हमलों और सर्जिकल स्ट्राइक के जरिये आतंकवादियों का सफाया किया। उन्होंने कहा, राहुल बाबा एक के बाद एक वादे करते हैं, लेकिन वादे करने के बाद वह विदेश चले जाते हैं... वहीं दूसरी तरफ, प्रधानमंत्री मोदी का वादा पत्थर की लकीर की तरह है। वह जो वादा करते हैं, उसे पूरा करते हैं। भाजपा अपनी गारंटी पूरी करती है और केवल हम ही झारखंड का भविष्य संवार सकते हैं। कांग्रेस, झामुमो (झारखंड मुक्ति मोर्चा) और राजद (राष्ट्रीय जनता दल) कभी राज्य के हित में काम नहीं कर सकते।

झारखंड में झामुमो नीत गठबंधन सरकार पर घुसपैठियों को अपना 'वोट बैंक' बनाने का आरोप लगाते हुए शाह ने एलान किया कि राज्य में भाजपा के सत्ता में आने के बाद घुसपैठ पर लगाम लगाई जाएगी। उन्होंने दावा किया, घुसपैठिये न केवल आदिवासियों के लिए, बल्कि नौकरियां छीनकर और अपराध को बढ़ावा देकर राज्य के युवाओं के लिए भी खतरा पैदा कर रहे हैं। झारखंड उच्च न्यायालय ने घुसपैठियों की पहचान करने और उन्हें निर्वासित करने का निर्देश दिया था। केंद्र ने इस पर सहमति जताई, लेकिन राज्य की हेमंत सोरेन सरकार तैयार नहीं हुई।

शुभमन गिल के बाएं अंगूठे में फेक्चर, पर्थ टेस्ट से लगभग बाहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/पर्थ/भाषा। भारत को शनिवार को बड़ा झटका लगा जब शीर्ष क्रम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल के बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया जिसके कारण वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 22 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रहे पहले टेस्ट से बाहर हो सकते हैं।

भारत की पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मिली जीत के युवा नायकों में से एक गिल बल्लेबाजी के मुख्य आधार हैं और अगर कप्तान रोहित शर्मा पहले टेस्ट से बाहर हो जाते हैं तो भारत का शीर्ष क्रम कमजोर दिख सकता है। टीम को दो टुकड़ों में विभाजित करके कराये गये अभ्यास मैच के दूसरे दिन क्षेत्ररक्षण करते समय गिल को चोट लगी। वह चोट के बाद काफी दर्द में दिख रहे थे और स्कैन के लिए तुरंत मैदान से बाहर चले गए। इस मामले की जानकारी रखने वाले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र के अनुसार गिल के बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर है और टेस्ट शुरू होने में एक सप्ताह से भी कम समय बचा है इसलिए इस स्टाइलिश दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए शुरुआती मैच के लिए समय पर फिट होना लगभग असंभव होगा।

अंगूठे के फ्रैक्चर को ठीक होने में आम तौर पर लगभग 14 दिन लगते हैं जिसके बाद व्यक्ति से अपने नियमित नेट सत्र शुरू करने की उम्मीद की जाती है।

पर एडिलेड में दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से शुरू हो रहा है तो संभावना है कि वह उस मैच के लिए समय पर फिट हो जाएंगे।

गिल की अनुपस्थिति राष्ट्रीय टीम के लिए बहुत मुश्किल भरी हो सकती है क्योंकि वह तीसरे नंबर के लिए अहम बल्लेबाज हैं और रोहित की अनुपस्थिति में उन्हें यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत कराने के लिए विचार किया जा सकता था।

रणजी में बंगाल की जीत के बाद कोच शुक्ला ने कहा, भारतीय टीम में शायद जल्द वापसी करेंगे शमी

इंदौर/भाषा। रणजी ट्रॉफी मैच में शनिवार को मध्यप्रदेश के खिलाफ बंगाल की रोमांचक जीत के बाद विजयी टीम के कोच लक्ष्मीरतन शुक्ला ने कुल सात विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के योगदान को सराहा। उन्होंने यह भी कहा कि 34 वर्षीय गेंदबाज को भारतीय टीम में शायद जल्द ही वापसी करते देखा जा सकेगा। शुक्ला का यह बयान ऑस्ट्रेलिया में 22 नवंबर से शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी प्रतियोगिता से हफ्ते भर पहले आया है।

इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेले गए रणजी ट्रॉफी मैच के चौथे और आखिरी दिन के निर्णायक पलों में बंगाल ने मेजबान मध्यप्रदेश पर 11 रन से जीत हासिल की। बंगाल के कोच लक्ष्मीरतन शुक्ला ने पीटीआई-भाषा से कहा कि यह उनकी टीम के लिए ''करो या मरो'' वाला रणजी मुकाबला था क्योंकि बारिश के कारण टीम के दो मैच बर्बाद हो गए थे। उन्होंने कहा,''मैच के दौरान शमी का प्रदर्शन काबिले-तारीफ था। सबको इंतजार है कि वह फिर से भारत के लिए कब से खेलेंगे और शायद उन्हें भारत के लिए जल्द ही खेलते देखा जा सकेगा।'' शुक्ला ने कहा कि रणजी मैच के दौरान उन्हें मैदान पर शमी जबर्दस्त लगे। बंगाल के कोच ने कहा,खेल के लिए शमी ने गजब का समर्पण दिखाया। उनका प्रदर्शन देखकर पता ही नहीं चला कि उन्होंने एक साल बाद मैदान पर वापसी की।''

सुविचार

जो व्यक्ति हर वक्त दुख का रोना रोता है, उसके द्वार पर खड़ा सुख बाहर से ही लौट जाता है।

ट्वीट

ऑडिट का कार्य अपने आप में समावेशी है। किसी विभाग की कार्य कुशलता, दक्षता और कार्योत्पादकता बढ़ाने में ऑडिट मार्गदर्शक की तरह है। इसी के साथ देश में सकारात्मक – सामाजिक परिवर्तन लाने में ऑडिट की महत्वपूर्ण भूमिका है।

-ओम बिरला

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर सभी पत्रकार बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं।लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने में आप सभी साथियों का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आप बिना किसी भय के पूर्ण निष्पक्षता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं।

-वसुंधरा राजे

कहानी

अम्मा की हरियाली

पुष्पेश कुमार 'पुष्प'
मोबाइल : 9135014901

शहर के मुख्य चौराहे से एक रास्ता मोहल्ले की ओर जाता है। उस रास्ते के बगल में एक विशाल पेड़ था और पेड़ के बगल में जमीन का एक टुकड़ा। उस पेड़ के नीचे एक वृद्ध महिला रहती थी। वह वृद्ध महिला कौन थी और कहां से आयी थी कोई नहीं जानता ? हां इतना जरुर था कि मोहल्ले वालों को इस वृद्ध महिला से विशेष लगाव हो गया था। चाहे कोई मौसम हो वृद्ध महिला का वही ठिकाना था। लोग उसे प्यार से अम्मा कहते थे। अम्मा दिन-रात पेड़ के नीचे बिताती और रोज एक पेड़ रास्ते के किनारे में लगा देती। इस प्रकार उसने रास्ते के दोनों ओर कतार में पेड़ मोहल्ले तक लगा दिये। उसके इस काम से खुश होकर कोई उसे भोजन दे देता, तो कोई पहनने को कपड़े। वह हर किसी का भेंट सहर्ष स्वीकार कर लेती। शाम को मोहल्ले के बच्चे गर्मी से राहत पाने के लिए अम्मा के पास चले आते। हवा के मंद-मंद झोंकों के संग अम्मा बच्चों को परियों की कहानियां सुनाती। इस प्रकार अम्मा मोहल्लेवासियों के लिए खास बन गयी थी।

एक दिन एक व्यक्ति पेड़ काटने वाले कुछ मजदूरों को साथ लेकर आया। वहां पेड़ के पास अम्मा को अपना ठिकाना बनाये देख बोला- इस पेड़ के नीचे से अपना आशियां हटाओ। यह हमारी जमीन है और पेड़ काटकर अपनी जमीन का रास्ता साफ करना है।

अम्मा पेड़ काटने का नाम सुनते ही उबल पड़ी और बोली - मेरे जीते जी तुम लोग इस पेड़ को नहीं काट सकते। यह पेड़ ही हमारा घर है। तुम लोग मुझे इस घर से बेदखल नहीं कर सकते।

तू ऐसे नहीं मानेगी। इसे उठाकर सड़क के दूसरी ओर फेंक दो। वह व्यक्ति चीखते हुए बोला।

अम्मा फौरन पेड़ से जाकर लिपट गयी और बोली - हिम्मत है तो मुझे यहां से हटाकर दिखाओ।

सब मजदूर चुपचाप खड़े थे और कोई अम्मा को छूने की हिम्मत नहीं कर रहा था।

अबे, तू लोग देख क्या रहा है? इस बुढ़िया को पकड़कर किनारे करो। यदि यह पेड़ नहीं कटा तो मेरा लाखों का नुकसान हो जाएगा। वह व्यक्ति बोला।

जैसे ही वे लोग आगे बढ़ते कि शोर सुनकर मोहल्ले वाले भी आ गये और बोले - तुम लोग अम्मा के साथ क्या कर रहे हो ?

यह हमारी जमीन है और पेड़ पर हमारा अधिकार है। इस पेड़ के कारण हमारा लाखों का नुकसान हो जाएगा। वह व्यक्ति बोला।

उसकी बातें सुनकर मोहल्ले वाले हैरान रह गये, क्योंकि वे जानते थे कि पेड़ सरकारी जमीन पर लगा है।

यह पेड़ सरकारी जमीन पर लगा है, फिर इस पेड़ पर तुम्हारा अधिकार कैसे हो गया? मोहल्ले के एक व्यक्ति ने प्रश्न किया।

मैं कुछ सुनना नहीं चाहता। पेड़ भले ही सरकारी जमीन पर लगा है, लेकिन यह पेड़ हमारी जमीन पर बनने वाले भव्य होटल के लिए अवरोध पैदा कर रहा है। इस पेड़ के कारण होटल का आकर्षण ही खत्म हो जाएगा। वह व्यक्ति अपनी जमीन का कागज दिखाते हुए बोला।

इस प्रकार पेड़ कटते रहे तो हमारा जीवन संकट में पड़ जाएगा? इस बात को तुमने कभी सोचा है? पेड़ हमसे कुछ लेते नहीं, बल्कि हमें बहुत कुछ देते हैं। यदि हम नहीं सुधरे तो वह दिन दूर नहीं जब हमें ऑक्सीजन का सिलिंडर अपनी पीठ पर लादकर चलना पड़ेगा। होटल नहीं बनेगा तो किसी का कोई नुकसान नहीं होगा , लेकिन ऐसे ही पेड़ कटते रहे तो हमारा जीना जरुर दुश्वार हो जाएगा। अम्मा आंसू बहाते हुए बोली।

अम्मा की बातें सुनकर सभी लो दंग रह गये। मोहल्ले वासियों ने भी अम्मा की बातों का समर्थन करते हुए पेड़ को चारों ओर से घेर लिया।

इस पेड़ को काटे बिना तुम अपनी जमीन पर होटल बना सकते हो , इसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं है। अम्मा काफी नम्र स्वर में बोली।

आपने मेरी आंखें खोल दी। मुझे अपनी गलती का एहसास हो गया है। इंसान के अस्तित्व को बचाये रखने एवं प्रकृति के संतुलन को बनाये रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए। पेड़ के बगैर हमारा जीवन खतरे में पड़ जाएगा। पेड़ हमसे कुछ लेते नहीं बल्कि हमें नवजीवन देते हैं। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के कारण ही हमारी धरती गर्म हो रही है। धरती को गर्म होने से बचाने के लिए पेड़ों का संरक्षण बहुत जरुरी है। हर इंसान को अपने जीवन काल में अधिक से अधिक पेड़ लगाकर प्रकृति की हरियाली को बनाये रखने में अपनी महत्वपूर्ण निभानी चाहिए , तभी हमारी धरती हरी-भरी बनी रहेगी। आज मुझे इन पेड़ों की अहमियत समझ में आ गयी। अब न यह पेड़ कटेगा और न यहां होटल बनेगा। यह जमीन मैं अम्मा को दान में देता हूं। इतना कहकर वह मजदूरों को साथ लेकर चला गया।

समय बीता। अम्मा का वृक्षारोपण कार्य चलता रहा। एक दिन अम्मा इस दुनिया से विदा हो गयी , लेकिन मोहल्लेवासियों को पेड़ों की अहमियत समझा गयी। उस पेड़ के नीचे अम्मा की स्मृति में चबूतरे का निर्माण हो गया और उस खाली जमीन पर बच्चों के लिए अम्मा की हरियाली के नाम से पार्क बन गया। आज भी जब लोग इस पेड़ के नीचे बने चबूतरे पर बैठते हैं या पार्क में जाते हैं तो बरबस अम्मा की स्मृतियां कौंध जाती है।

बड़ा नाम

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

वह लोग चलने को थे, तभी जोरावर ने मुर्गा पकड़ने वाले हमराही से कहा- सुनो ! मुफ्तखोरी ठीक नहीं, पता कर लो किसका है ? कल उसे इसकी कीमत पहुंचा दी जाएगी ? वह बाहर निकले दुकानदारों की तरफ मालुमात के लिए गया और उलटे पैरों लौटकर बताया-कह रहे हैं ,किसी वकील का है।

लॉक डाउन की सड़क...सुनसान और सोती-सी...दुकानें बन्द...कुछ ऐसी भी थीं, जिसमें दुकानदारों की रहाइश थी। उनके अन्दर से सीरियल के डायलाग फुसफुसाहट बनकर बाहर आ रहे थे। सड़क पर तीन-चार आवारा कुत्ते आराम फरमा रहे थे। कुछ मुर्गे-मुर्गियाँ बेखौफ चहल-कदमी करती चुग रही थीं...।

मेन चौराहे पर पुलिस की पिकेट थी, जहां जामुन के पेड़ के नीचे फाइबर की कुर्सियों पर बैठे दो सिपाही और दरोगा साहब ड्यूटी दे रहे थे... एक सिपाही के हाथ में मुड़ा हुआ अखबार था, दूसरा बेमतलब अपने बेंत से दायें-बायें खुरचाल रहा था। दरोगा बड़ी तल्लीनता से मोबाइल में लगे थे...।

तभी कब्रिस्तान से लोग बाहर आने लगे... उन्हीं के बीच से वह इधर आता दिखा... लम्बा कद, भरा हुआ जिस्म, सिर पर गोल टोपी, उटंग सलवार और काफी लम्बा कुर्ता... उसके पीछे पाँच-छह लोग और थे। आपस में कोई दूरी नहीं... दो ने मास्क पहने जरूर थे, मगर वह मुंह के नीचे लटके थे। अखबार वाले सिपाही ने हल्के से खाँसकर दरोगा साहब की तरफ देखा, मोबाइल से निगाह हटाकर उन्होंने जो इशारा किया उसके लिहाज से सिपाही अखबार पढ़ने में व्यस्त हो गया।

दूसरा सिपाही अपना बेंत वाला काम रोककर इन लोगों की तरफ देखने लगा... सबने एक जैसी टोपियाँ पहन रखी थीं। दो ने सलवार की बजाय अलीगढ़ी पायजामा पहना था, बाकी सबकी धज एक जैसी थी। चेहरे पर ऐसा रुआब कि सारी दुनिया ठेंगे पर...!

यह दनदनाते पुलिस पिकेट से आगे निकल गए, तभी जो आगे वाला सरगना था, उसकी नजर एक ऊंचे कद के मोटे मुर्गे पर जम गईं। मुर्गे का काला रंग, शानदार बड़ी कलंगी और बेखौफ फड़कता शरीर... साथ वाले ने कहा-जोरावर भाई, यह असली छत्तीसगढ़िया कड़कनाथ है। सवाद ऐसा कि एक बार जो चख ले, ताउम्र का मुरीद बन जाए... इसीलिए बाजार में और चिकन के मुकाबले चार-पाँच गुना ज्यादा कीमत...

जोरावर ने उसकी बात काट दी-यार तुम तो लालच पैदा कर दिए, पकड़ सकते हो? बिलकुल...-कहकर उसने कन्धे पर रखा अजमेरी चौकोर अँगौछा एक खास अंदाज में मुर्गे की तरफ उछाल दिया। बस, अगले पल मुर्गा डर और घबराहट भरी लम्बी चीखनुमा कुड़कुडाहट के साथ अँगौछे सहित भागने को हुआ, तभी उस आदमी ने मुर्गे को गिरफ्त में ले लिया। मुर्गा अब भी तेज कुड़कुडाहट के साथ पंख फड़फड़ाता उसकी पकड़ से छूटने के लिए जोर आजमाइश में लगा रहा...।

बीट पर मौजूद सिपाहियों और दरोगा की निगाहें एकबारगी उधर घूम गई थीं। सोये पड़े कुत्ते चौंककर खड़े हो गए और तनियाते हुए वॉर्म अप की मुद्रा आकार उन लोगों की तरफ देखने लगे, जैसे आक्रमण के पहले माहौल का जायजा ले रहे हों। तीन-चार दुकानदार भी बाहर निकल आए थे। मुर्गे का मालिक भी मुर्गे की चीख सुनकर गली में आ खड़ा हुआ था, मगर इन लोगों के सामने उसकी क्या बिसात कि कुछ बोल पाता। लिहाजा बेबस खड़ा रह गया। सिपाही और दरोगा तत्काल मोबाइल और अखबार की ओट लेकर सबसे पहले खुद को पूरे वाकिये से अलग कर चुके थे। मामला समझते ही बाहर आए दूकानदार अनजान-से दुकान के आसपास झूठमूठ कुछ धरने-उठाने लगे। और तो और बेचारा मुर्गा भी लाचार होकर पकड़ने वाले की बाहों में पस्त हो गया था...। जब कोई कुछ नहीं कर रहा था तो कुत्तों को ही क्या गरज पड़ी थी, वह भी फिर से सड़क पर पसर गए। वह लोग चलने को थे, तभी जोरावर ने मुर्गा पकड़ने वाले हमराही से कहा- सुनो ! मुफ्तखोरी ठीक नहीं, पता कर लो किसका है ? कल उसे इसकी कीमत पहुंचा दी जाएगी ? वह बाहर निकले दुकानदारों की तरफ मालुमात के लिए गया और उलटे पैरों लौटकर बताया-कह रहे हैं ,किसी वकील का है। वकील का...-एक लम्हा सोचने के बाद जोरावर ने कहा-वकील का है तो फिर इसे ले चलना ठीक नहीं, छोड़ दो...।

अगले पल पकड़ ढीली पड़ते ही मुर्गे के जिस्म में बला की फुर्ती आ गई। वह तेज किलकारी के साथ फड़फड़ाता मालिक के पैरों के पास से निकलता दूर चला गया... और उसका मालिक फटेहाल वकील अहमद जोरावर की रहमत के लिए दुआ पर दुआ दिये जा रहा था।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

वासुदेवः सर्वम्

अ पौरुषेय आदिग्रंथ ऋग्वेद का उद्घोष है-

।। सं. गच्छध्वम सं वदध्वम।। (10.181.2)

अर्थात साथ चलें, साथ (समूह में) बोलें।

ऋग्वेद द्वारा प्रतिपादित सामूहिकता का मंत्र मानुषिकता एवं एकात्मता का प्रथम अधिकृत संस्करण है।

अथर्ववेद एकात्मता के इसी तत्व के मूलबिंदु तक जाता है-

।। मा भ्राता भ्रातरं द्विक्षन, मा स्वसारमुत स्वसा।

सम्यञ्चः सव्रता भूत्वा वाचं वदत भद्रया।।2।।

(3.30.3)

अर्थात भाई, भाई से द्वेष न करे, बहन, बहन से द्वेष न करे, समान गति से एक-दूसरे का आदर- सम्मान करते हुए परस्पर मिल-जुलकर कर्मों को करने वाले होकर अथवा एकमत से प्रत्येक कार्य करने वाले होकर भद्रभाव से परिपूर्ण होकर संभाषण करें।

आधुनिक विज्ञान जब मनुष्य के क्रमिक विकास की बात करता है तो शनैः- शनैः एक से अनेक होने की प्रक्रिया और सिद्धांत प्रतिपादित करता है। उससे हजारों वर्ष पूर्व भारतीय दर्शन और ज्ञान के पुंज भारतीय महर्षि एकात्मता का विराट भारतीय दर्शन लेकर आ चुके थे। महोपनिषद का यह श्लोक सारे सिद्धांतों और सारी थिअरीज की तुलना में विराट की पराकाष्ठा है।

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम ।

उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम ।।

(अध्याय 4, श्लोक 71)

अर्थात यह अपना बन्धु है और यह अपना बन्धु नहीं है, इस तरह की गणना छोटे चित्त वाले लोग करते हैं। उदार हृदय वाले लोगों के लिए तो (सम्पूर्ण) धरती ही परिवार है।

मनुष्य की सामाजिकता और सामासिकता का विराट दर्शन है भारतीय संस्कृति। 'ॐ सह नाववतु' गुरु- शिष्य द्वारा एक साथ की जाती प्रार्थना में एकात्मता का जो आविर्भाव है वह विश्व की अन्य किसी भी सभ्यता में देखने को नहीं मिलेगा। कठोपनिषद में तत्सम्बंधी श्लोक देखिये-

।। ॐ सह नाववतु। सह नौ भुनक्तु। सह वीर्यं करवावहै।

तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै।।19।।

अर्थात परमेश्वर हम (शिष्य और आचार्य) दोनों की साथ-साथ रक्षा करें, हम दोनों को साथ-साथ विद्या के फल का भोग कराए, हम दोनों एकसाथ मिलकर विद्या प्राप्ति का सामर्थ्य प्राप्त करें, हम दोनों का पढ़ा हुआ तेजस्वी हो, हम दोनों परस्पर द्वेष न करें। इस तरह की सदाशयी भावना रखने वाले का मन निर्मल रहता है। निर्मल मन से निर्मल भविष्य का उदय होता है। उदय और अस्त का परम अद्वैत दर्शन है श्रीमद्भागवत गीता। गीता में स्वयं योगेश्वर कहते हैं-

यच्चापि सर्वभूतानां बीजं तदहमर्जुन।

न तदस्ति विना यत्स्यान्मया भूतं चराचरम।। (गीता 10।39)

अर्थात, हे अर्जुन! सम्पूर्ण प्राणियों का जो बीज है, वह मैं ही हूँ। मेरे बिना कोई भी चर-अचर प्राणी नहीं है।

इहैकस्थं जगत्कृत्स्नं पश्याद्य सचराचरम ।

मम देहे गुडाकेश यच्चान्यद्द्रष्टमिच्छसि ।। *(11/ 7)*

अर्थात, हे अर्जुन! तू मेरे इस शरीर में एक स्थान में चर-अचर सृष्टि सहित सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड को देख और अन्य कुछ भी तू देखना चाहता है उन्हे भी देख।

एकात्म भाव का विस्तृत विवेचन करते हुए भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं-

यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति।

तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति।। (6।30)

अर्थात जो सबमें मुझको देखता है और मुझमें सबको देखता है, उसके लिए मैं अदृश्य नहीं होता और वह मेरे लिए अदृश्य नहीं होता।'

इस अदृश्य का यह सारगर्भित दृश्य समझिये इस उवाच से-

यथा महान्ति भूतानि भूतेषूच्चावचेष्वनु।

प्रविष्टान्यप्रविष्टानि तथा तेषु न तेष्वहम।।

अर्थात जैसे पंचमहाभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश) संसार के छोटे-बड़े सभी पदार्थों में प्रविष्ट होते हुए भी उनमें प्रविष्ट नहीं हैं, वैसे ही मैं भी विश्व में व्यापक होने पर भी उससे संपृक्त हूँ।

संपृक्त श्रीमद्भागवत के इस अनहद नाद को सुनिए-

अहमेवासमेवाग्रे नान्यद यत सदसत परम।

पश्चादहं यदेतच्च योऽवशिष्येत सोऽस्म्यहम

(2।9।32)

अर्थात सृष्टि के पूर्व भी मैं ही था, मुझसे भिन्न कुछ भी नहीं था और सृष्टि के उत्पन्न होने के बाद जो कुछ भी यह दिखायी दे रहा है, वह मैं ही हूँ। जो सत, असत और उससे परे है, वह सब मैं ही हूँ तथा सृष्टि के बाद भी मैं ही हूँ एवं इन सबका नाश हो जाने पर जो कुछ बाकी रहता है, वह भी मैं ही हूँ।

सांगोपांग सार है, 'वासुदेवः सर्वम।' चर हो या अचर, वासुदेव के सिवा जगत में दूसरा कोई नहीं है। अतः कहा गया, चराचर में एक ही आत्मा देख, एकात्म हो।...इति।

बोध कथा

बीरबल की योग्यता

बादशाह अकबर के दरबार में बीरबल का बोलबाला था। बीरबल की चतुराई और सूझबूझ ने उन्हें बादशाह का खास बना दिया था। इस कारण दरबार में बहुत से लोग बीरबल से जलते थे। इन लोगों में बादशाह अकबर के साले साहब भी थे। साले साहब बीरबल को नीचा दिखाने के लिए कोई भी मौका नहीं छोड़ते थे, लेकिन हर बार उन्हें ही मुंह की खानी पड़ती थी। बेगम का भाई होने की वजह से बादशाह भी उसे कुछ नहीं कहते थे। एक दिन बीरबल की गैरमौजूदगी में साले साहब ने बादशाह अकबर से दीवान पद की मांग कर डाली। बादशाह ने साले साहब की परीक्षा लेने की सोची। उन्होंने साले साहब से कहा, आज मुझे सुबह-सुबह महल के पीछे बिल्ली के बच्चों की आवाज सुनाई दी है। लगता है कि किसी बिल्ली ने बच्चे दिए हैं, जाकर देखकर आओ कि यह बात सच है या नहीं।

साले साहब झट से महल के पीछे गए और वापस आकर बोलते हैं, आपकी बात सच है, महल के पीछे एक बिल्ली ने बच्चों को जन्म दिया है। बादशाह ने कहा, अच्छा, जरा यह बताओ कि बिल्ली ने कितने बच्चों को जन्म दिया है? साले साहब ने जवाब में कहा, यह तो मुझे नहीं पता, मैं अभी पता करके आता हूं महाराज। इतना कहकर वो फिर से महल के पीछे गए और वापस आकर कहते हैं, महाराज, बिल्ली पांच बच्चों की मां बनी है। बादशाह अकबर ने पूछा, अच्छा, जरा यह बताओ कि उन पांच बच्चों में से कितनी मादा हैं और कितने नर हैं? साले साहब ने जवाब में कहा, मैंने यह तो देखा ही नहीं, मैं अभी देखकर आता हूं। इतना कहकर वो फिर से महल के पीछे जाते हैं और थोड़ी देर बाद आकर कहते हैं, महाराज, बिल्ली के पांच बच्चों में से तीन नर हैं और दो मादा हैं। बादशाह अकबर ने अपने साले साहब से फिर से एक सवाल पूछा, बिल्ली के नर बच्चे किस रंग के हैं? सवाल के जवाब में साले साहब ने कहा, मैं अभी देखकर आता हूं। बादशाह अकबर ने कहा, रहने दो, बैठ जाओ। इतने में बीरबल राज दरबार में पहुंच चुके थे। बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, महल के पीछे बिल्ली ने बच्चों को जन्म दिया है, जरा देखकर आओ कि क्या यह बात सही है। बीरबल ने कहा, मैं अभी देखकर आता हूं महाराज। ऐसा कह कर वह महल के पीछे देखने के लिए चले गए।

वीर गाथा

कर्नल अजय कोठियाल: कुशल रणनीति से 7 आतंकवादियों के समूह का कर दिया खात्मा

कर्नल अजय कोठियाल का जन्म 26 फरवरी, 1969 को उत्तराखंड (तब उप्र) के टिहरी में हुआ था। माता सुशीला देवी और पिता सत्यशरण कोठियाल के बहादुर बेटे अजय कीर्ति चक्र, शौर्य चक्र और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित हो चुके हैं।

अजय सीडीएस परीक्षा पास करने के बाद साल 1992 में गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट की चौथी बटालियन में बतौर सेकंड लेफ्टिनेंट नियुक्त हुए थे। वे सैन्य रणनीति बनाने और उसे अंजाम देने के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में ड्यूटी के दौरान अपनी कुशल रणनीति से खूंखार आतंकवादियों का खात्मा किया था। 13 मई, 2003 को सुबह 11 बजे जैसे ही आतंकवादी बाहर निकले, (तब) मेजर अजय ने उन पर गोलीबारी कर चुनौती दी। इससे घबराए आतंकवादी अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे थे। अजय ने अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए अदम्य साहस का परिचय दिया और उन रास्तों को बंद करवा दिया, जहां से आतंकवादी बचकर निकल सकते थे।

इसके बाद उन्होंने एक-एक आतंकवादी का शिकार किया। मुठभेड़ पूरी होने पर पता चला कि अजय ने चार आतंकवादी ढेर किए हैं। उनकी कुशल रणनीति के बूते सात आतंकवादियों के समूह का खात्मा कर दिया गया था।

मेजर अजय कोठियाल ने देश के दुश्मनों से लड़ते हुए सूझबूझ, दिलेरी, और उच्च कोटि की निर्णय क्षमता दिखाई, जो अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्हें इस उपलब्धि के लिए कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। बाद में पदोन्नति पाकर कर्नल बने अजय कोठियाल ने साल 2012 में भारतीय सेना की सात महिला अधिकारियों की एक टीम का नेतृत्व किया और माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। इसके लिए उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। वे सेवानिवृत्ति के बाद सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कांग्रेस को कमजोर करने के लिए अनुच्छेद 370 का इस्तेमाल कर रही है भाजपा : अब्दुल्ला

जम्मू/भाषा

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि संविधान के अनुच्छेद-370 को लेकर कांग्रेस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हमले का मकसद पार्टी को कमजोर करना और महाराष्ट्र तथा झारखंड के विधानसभा चुनाव जीतना है।

हालांकि, अब्दुल्ला ने कहा कि वह कांग्रेस को कमजोर नहीं होने देंगे और उम्मीद जताई कि दोनों राज्यों के विधानसभा चुनावों में 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस) की जीत होगी।

जम्मू में एक निजी समारोह में हिस्सा लेने के बाद पत्रकारों से मुखातिब अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल होने को लेकर कोई संदेह नहीं है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हाल ही में पारित प्रस्ताव में अनुच्छेद-370 की बहाली का जिक्र न होने संबंधी कांग्रेस नेताओं के बयान के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी खुद की वजहें हैं, क्योंकि उनकी पार्टी भाजपा के हमलों का सामना कर रही है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह सिर्फ चुनाव जीतने के लिए उन्हें लगातार निशाना बना रहे हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष ने कहा, वे (भाजपा) सोच रहे हैं कि वे कांग्रेस को कमजोर कर देंगे, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। हमें उम्मीद है कि वे ('इंडिया' गठबंधन) चुनाव जीतेंगे।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने से जुड़े सवाल पर अब्दुल्ला ने गुस्से में जवाब दिया और पूछा, राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रस्ताव पर आप केंद्र से किस तरह की प्रतिक्रिया की उम्मीद करते हैं? इस (नेकां) सरकार को बने अभी कितना समय बीता है? क्या आप चाहते हैं कि राज्य का दर्जा आसमान से गिरे? उन्होंने कहा, (जम्मू-कश्मीर का) राज्य का दर्जा बहाल होगा और मुझे इसमें कोई शक नहीं है। पहले कुछ लोग कहते थे कि (जम्मू-कश्मीर में) विधानसभा चुनाव नहीं होंगे, लेकिन चुनाव हुए। उन्होंने (भाजपा) दुष्प्रचार किया कि वे सरकार बनाएंगे, लेकिन क्या हुआ।

शाह के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि मोदी प्रमुख विपक्षी नेताओं के विरोध के बावजूद वक्फ अधिनियम में संशोधन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, अब्दुल्ला ने चुटकी लेते हुए कहा, वह भारत के मालिक हैं। उन्हें जो करना है, करने दें। वह राजा हैं।

भाजपा के बंटेंगे तो कटेंगे नारे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख ने कहा, इस नारे का क्या मतलब है? क्या हम एक नहीं हैं? क्या भारत एकजुट नहीं है? उन्होंने कहा, भारत विविधता में एकता का प्रतीक है। हम जब तक अपनी विविधता को मजबूत रखेंगे, भारत मजबूत रहेगा। हमें मजबूत भारत के लिए विविधता को मजबूत करना होगा।

रैली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी शनिवार को महाराष्ट्र के शिरडी में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले एक चुनावी रैली में शामिल हुईं।

जी20 में सार्थक चर्चा को लेकर हूं आशान्वित : मोदी

नई दिल्ली/भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वह ब्राजील में होने वाले अगले जी-20 शिखर सम्मेलन में 'सार्थक' चर्चा को लेकर आशान्वित हैं जिसने पिछले वर्ष भारत की अध्यक्षता में हुए सम्मेलन के निष्कर्ष के आधार पर इस समूह के लिए व्यापक एजेंडा तय किया था। मोदी ने नाइजीरिया, ब्राजील और गुयाना की अपनी पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना होने से पहले यहां जारी एक एक बयान में यह टिप्पणी की। प्रधानमंत्री का पहला गंतव्य नाइजीरिया होगा जहां से वह ब्राजील जायेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''ब्राजील में, मैं 'ट्रोइका' सदस्य के रूप में 19वें जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा। पिछले वर्ष, भारत की सफल अध्यक्षता ने जी-20 को लोगों का जी-20 बना दिया तथा 'ग्लोबल साउथ' की प्राथमिकताओं को इसके एजेंडे में शामिल कर दिया।''

मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन 18-19 नवंबर को रियो डि जेनेरियो में होने वाले इस सम्मेलन में भाग लेने वाले नेताओं में शामिल होंगे। भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ जी-20 'ट्रोइका' का हिस्सा है। जब किसी संगठन का कोई मुख्यालय नहीं होता है तथा उसका जिम्मा पिछले, वर्तमान एवं अगले अध्यक्ष देश पर होता है तब ये देश 'ट्रोइका' कहलाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''इस वर्ष, ब्राजील ने भारत की विरासत को आगे बढ़ाया है। मैं 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के अपने दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए सार्थक चर्चा की आशा करता हूं। मैं इस अवसर का उपयोग कई अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए भी करूंगा।'' पचपन देशों के अफ्रीकी संघ को जी-20 में स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करने और यूक्रेन संघर्ष पर गहरे मतभेद के बावजूद नेताओं का घोषणापत्र जारी करने में कामयाबी हासिल करने को लेकर पिछले साल भारत की अध्यक्षता में हुए जी-20 सम्मेलन को मील के पत्थर के रूप में देखा गया।

नाइजीरिया की अपनी यात्रा के बारे में मोदी ने कहा कि यह 'हमारी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का अवसर होगा, जो लोकतंत्र और बहुलतावाद में साझा विश्वास पर आधारित है।' प्रधानमंत्री

नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला अहमद टिनुबू के निमंत्रण पर 16-17 नवंबर के दौरान नाइजीरिया की यात्रा पर रहेंगे। मोदी ने कहा, ''पश्चिम अफ्रीकी क्षेत्र में हमारे घनिष्ठ साझेदार नाइजीरिया की यह मेरी पहली यात्रा होगी।'' उन्होंने कहा, ''मैं भारतीय समुदाय एवं नाइजीरिया के मित्रों के साथ मुलाकात को लेकर भी आशान्वित हूं जिन्होंने हिंदी में मुझे हार्दिक स्वागत संदेश भेजे हैं।'' अपनी इस यात्रा के तीसरे पड़ाव में मोदी 19-20 नवंबर को गुयाना में होंगे। वह गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली के निमंत्रण पर वहां जा रहे हैं। यह पिछले 50 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली गुयाना यात्रा होगी। मोदी ने कहा, ''साझी धरोहर, संस्कृति एवं मूल्यों पर आधारित अपने विशिष्ट संबंधों को रणनीतिक दिशा देने के लिए हम विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''मैं सबसे पुराने भारतीय प्रवासी समुदायों में से एक के प्रति भी अपना सम्मान अर्पित करूंगा, जो 185 साल से भी पहले वहां गये थे। मैं उनकी संसद को संबोधित करते हुए उनके लोकतंत्र से जुड़ूंगा।'' मोदी ने गुयाना में भारत-कैरिकॉम सम्मेलन की भी चर्चा की। कैरिबियाई समुदाय (कैरिकॉम) कैरिबियाई क्षेत्र में 15 सदस्य देशों का एक अंतरसरकारी संगठन है जिसका प्राथमिक उद्देश्य सदस्यों के बीच आर्थिक समेकन एवं सहयोग को बढ़ावा देना है।

मोदी ने कहा, ''मैं दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन में कैरेबियाई साझेदार देशों के नेताओं से भेंट करूंगा। हम हर अच्छे-बुरे समय में एक साथ खड़े रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''शिखर सम्मेलन हमें ऐतिहासिक संबंधों को नवीनीकृत करने और अपने सहयोग का नये आयामों तक विस्तार करने में सक्षम बनाएगा।''

मोदी ने 'एक्स' पर भी एक पोस्ट में तीन देशों की अपनी यात्रा का संक्षिप्त उल्लेख किया। उन्होंने लिखा, ''अगले कुछ दिनों में मैं नाइजीरिया, ब्राजील और गुयाना में रहूंगा।

अमेरिका ने 1400 से अधिक पुरावशेष भारत को लौटाए

न्यूयॉर्क/भाषा

मध्यप्रदेश से 1980 के दशक में चुरायी गई बलुआ पत्थर की मूर्ति और 1960 के दशक में राजस्थान से चुरायी गई मूर्ति उन 1,400 से अधिक प्राचीन वस्तुओं में शामिल हैं, जिन्हें अमेरिका ने भारत को लौटा दिया है। इन पुरावशेष का कुल मूल्य एक करोड़ अमेरिकी डॉलर है।

भारत से चुरायी गई 600 से अधिक प्राचीन वस्तुओं को अगले कुछ महीनों में वापस भेजा जाएगा।

मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी एल्विन एल ब्रैग जूनियर के एक बयान के अनुसार इस वस्तुओं को एक समारोह में लौटाया गया जिसमें यहां भारत के महावाणिज्य दूतावास के मनीष कुल्हारी और न्यूयॉर्क सांस्कृतिक संपत्ति, कला एवं पुरावशेष समूह की होमलैंड सुरक्षा जांच की समूह पर्यवेक्षक एलेक्जेंड्रा डीअर्मास मौजूद भी थे।

ब्रैग ने एक बयान में कहा कि इस कार्यक्रम में कम से कम 1,440 पुरावशेष भारत को लौटाये गए, जिनका कुल मूल्य एक करोड़ अमेरिकी डॉलर है।

लौटाई गई वस्तुओं में 1980 के दशक में मध्यप्रदेश के एक मंदिर से चुरायी गई एक नर्तकी की बलुआ पत्थर की मूर्ति, राजस्थान के तनेश्वर महादेव गांव से चुरायी गई तनेसर माता की मूर्ति शामिल हैं।

मध्यप्रदेश से चुरायी गई मूर्ति को तस्करों ने बेचने में सहूलियत के लिए दो हिस्सों में विभाजित कर दिया था।

फरवरी 1992 तक, इन दोनों हिस्सों को अवैध तरीके से लंदन से न्यूयॉर्क ले जाया गया। दोनों हिस्सों को बाद में पेशेवर तरीके से फिर से जोड़ दिया गया और मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट को दान कर दिया गया। यह मूर्ति मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में तब तक प्रदर्शित रही, जब तक कि इसे 2023 में एंटीक्स ट्रैफिक यूनिट (एटीयू) द्वारा जब्त नहीं कर लिया गया।

बुधवार को जारी बयान में कहा गया कि 1950 के दशक के अंत में पहली बार एक भारतीय पुरातत्ववेत्ता ने विभिन्न मूर्तियों का दस्तावेजीकरण किया था। उनमें से कुछ मूर्तियों को 1960 के दशक की शुरुआत में चुरा लिया गया था।

तनेश्वर माता की मूर्ति 1968 तक मैनहट्टन गैलरी में थी। मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट ने 1993 में तनेश्वर माता की मूर्ति को अपने कब्जे में ले लिया, जहां यह 2022 में एटीयू द्वारा जब्त किए जाने तक प्रदर्शित रही।

ब्रैग ने कहा, ''हम भारतीय सांस्कृतिक विरासत को निशाना बनाने वाले विभिन्न तस्करी नेटवर्क की जांच जारी रखेंगे।''

प्रचार

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार को चंद्रनगर में पार्टी उम्मीदवार आशा नौटियाल के समर्थन में एक जनसभा में शामिल हुए।

हॉरर सीरीज 'भेद-भरम' का पहला पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार विपुल अमृतलाल शाह की हॉरर सीरीज भेद-भरम का पहला पोस्टर रिलीज हो गया है। विपुल अमृतलाल शाह अपने प्रोडक्शन हाउस सनशाइन पिक्चर्स और डीडी नेशनल के साथ नई और रोमांचक टीवी सीरीज़ भेद-भरम लेकर आ रहे हैं, जिसका पहला पोस्टर रिलीज़ हो गया है। यह शो हरकिशन मेहता के लोकप्रिय उपन्यास पर आधारित है। इस शो में यशपाल शर्मा, अतुल कुमार, गौरव चोपड़ा, ऐश्वर्या सखूजा, वैशाली ए. ठक्कर, विशाल मल्होत्रा, प्रणव मिश्रा, दिव्यांगना जैन, वाणीकी त्यागी और समीर धर्माधिकारी जैसे कलाकार शामिल हैं। मेकर्स ने एक कैप्शन के साथ इसका पहला पोस्टर अपने सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया है। कैप्शन में लिखा गया है,क्या आप अनसुलझे रहस्यों का सामना करने के लिए तैयार हैं? भेद भरम - रहस्यों का मायाजाल में ऐसे खौफनाक डर सामने आएंगे, जो आपको सीट से चिपके रहने पर मजबूर कर देंगे।18 नवंबर को सोमवार से गुरुवार रात 9:30 बजे डीडी नेशनल पर रिलीज होगा। भेद भरम का निर्देशन यूसुफ बसराई ने किया है, इसकी कहानी हरकिसन मेहता ने लिखी है। यह शो सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड द्वारा प्रोड्यूस और आशिन ए. शाह और रविचंद नल्लप्पा द्वारा को-प्रोड्यूस है।विपुल अमृतलाल शाह अपनी अगली फिल्म हिसाब पर काम कर रहे हैं, जो सनशाइन पिक्चर्स और जियो स्टूडियोज के साथ मिलकर बनायी जा रही है। यह फिल्म विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस और निर्देशित की है, और आशिन ए शाह ने को-प्रोड्यूस की है। फिल्म में जयदीप अहलावत और शेफाली शाह स्टार कर रहे हैं। फिल्म साल के अंत तक रिलीज होने वाली है।

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज और कॉमेडियन जाकिर खान शनिवार को मुंबई में मिंत्रा क्रिएटर्स फेस्ट 2024 में शामिल हुए।

फिल्म 'युद्धा' के वर्ल्डवाइड स्ट्रीमिंग प्रीमियर की घोषणा

मुंबई/एजेन्सी

प्राइम वीडियो ने सिद्धांत चतुर्वेदी और मालविका मोहनन स्टारर एक्शन फिल्म 'युद्धा' के वर्ल्डवाइड स्ट्रीमिंग प्रीमियर की घोषणा की है। फिल्म 'युद्धा' को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है, और इसे रवि उदयावर ने निर्देशित किया है।

इसमें सिद्धांत चतुर्वेदी और मालविका मोहनन मुख्य भूमिकाओं में हैं, और राघव जुयाल, गजराज राव, राम कपूर, राज अर्जुन और शिल्पा शुक्ला भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। प्राइम के सदस्य आज से भारत और दुनिया भर के 240+ देशों और क्षेत्रों में इस एक्शन थ्रिलर को स्ट्रीम कर सकते हैं।

प्राइम वीडियो, ने युद्धा की एक्सक्लूसिव स्ट्रीमिंग शुरू करने की घोषणा की है। यह फिल्म सिर्फ प्राइम वीडियो पर भारत समेत 240+ देशों में उपलब्ध है। सिद्धांत चतुर्वेदी ने युद्धा का किरदार निभाया है, जो एक गुप्त मिशन पर निकला है ताकी वो एक ताकतवर ड्रग सिंडिकेट को खत्म कर सके, जिसे फिरोज (राज अर्जुन) और उसका बेटा शफीक (राघव जुयाल) चला रहे हैं। युधरा अपने मां-बाप की मौत का बदला लेने के लिए फिरोज़ से भिड़ता है।

निमरत कौर के लिए लंगर की जलेबी और कड़ा प्रसाद से बेहतर कुछ नहीं

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री निमरत कौर शानदार एक्टिंग के दम पर मनोरंजन इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम पर हैं। हर अपडेट सोशल मीडिया के जरिए देती हैं। गुरु परब पर भी ऐसा ही किया। गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के मौके पर गुरुद्वारा पहुंची। वहां उन्होंने मत्था टेका और प्रसाद ग्रहण किया। इससे जुड़ी कई तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर साझा की। गुरुपर्व पर 'एयरलिफ्ट' अभिनेत्री गुरुद्वारा पहुंची और मत्था टेकने के बाद कड़ा प्रसाद ग्रहण करती दिखीं। तस्वीरों को शेयर कर निमरत कौर ने कैप्शन में लिखा ठीक है, मुझे एक और चीज चाहिए। दिल से आप सभी का प्यार, लंगर की जलेबी और कड़ाही प्रसाद से बेहतर कुछ नहीं है। गुरु पर्व का जश्न मना रहे सभी लोगों को शुभकामनाएं, सतनाम वाहे गुरु। गुरुपर्व के लिए अभिनेत्री ने मिंट ग्रीन कलर के सलवार सूट का चयन किया, जिसमें वह सादगी के साथ बेहद खूबसूरत लग रही हैं। बता दें कि गुरु नानक जयंती को गुरुपूरब या प्रकाश पर्व के नाम से भी जाना जाता है। इस साल ये पर्व (15 नवंबर) शुक्रवार को मनाया गया। फिल्म जगत के तमाम सितारों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर प्रशंसकों को इस खास पर्व की शुभकामनाएं दी। इससे पहले 'दसवीं' की अभिनेत्री ने एक मजेदार रील शेयर कर उन लोगों पर करारा तंज कसा जो कि उनका नाम अभिनेता अभिषेक बच्चन के साथ जोड़ रहे हैं। डेटिंग की अफवाहों के बीच 'दसवीं' स्टार ने मजेदार रील को इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जिसमें वह फर्श पर बैठी हैं और ट्रेंडिंग डायलॉग पर लिप-सिंक करती नजर आ रही हैं। उनके पीछे उनकी पेट बिल्ली भी है। रील में अभिनेत्री कहती नजर आ रही हैं दोस्ती इतनी पक्की होनी चाहिए, लोग देखते ही जल जाएं, जल जाएं। काहे 'हॉ', ऐदा। (दोस्ती इतनी मजबूत होनी चाहिए कि लोग इसे देखकर ही जलने लगें)। रील के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा मेरी और केसी (करम चंद) की दोस्ती तो है ऐसी। अपने बीएफएफ को टैग करें! इसके साथ उन्होंने हैशटैग के साथ लिखा फ्रेंडशिप, बीएफएफ गोल्स, संडे टाइम पास, वीकेंड वाइब्स, पक्का दोस्त, ट्रेंडिंग रील्स। बता दें कि निमरत अभिषेक बच्चन के साथ डेटिंग की अफवाहों को लेकर सुर्खियों में हैं। अफवाह है कि निमरत और अभिषेक 'दसवीं' की शूटिंग के दौरान करीब आए और रिश्ते में हैं। 'दसवीं' साल 2022 में रिलीज हुई थी।

भारत की अगली एक्शन स्टार बनना चाहती हैं शर्वरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शर्वरी का कहना है कि वह भारत की अगली एक्शन स्टार बनना चाहती हैं। बॉलीवुड की उभरती हुई स्टार शर्वरी ने खुलासा किया है कि उनका पसंदीदा जॉनर एक्शन है। शर्वरी इन दिनों वाईआरएफ स्पाय यूनिवर्स की फिल्म अल्फा में सुपरस्टार आलिया भट्ट के साथ काम कर रही हैं।'अल्फा' को वाईआरएफ स्पाय यूनिवर्स की पहली महिला-केंद्रित फिल्म बताया जा रहा है, जिसका निर्माण आदित्य चोपड़ा कर रहे हैं। शर्वरी का कहना है कि यदि किस्मत ने साथ दिया, तो वे भारत की अगली एक्शन स्टार बनना चाहती हैं। उन्होंने कहा,मुझे एक्शन जॉनर बेहद पसंद है, और मैं अपनी बहन

के साथ एक्शन फिल्में देखना पसंद करती हूं। इसलिए जब मुझे अल्फा का ऑफर मिला, तो मैंने तुरंत हामी भर दी। मन ही मन मैं हमेशा एक्टर के तौर पर एक्शन करना चाहती थी। अब मेरा सपना सच हो रहा है।मेरा हमेशा से मानना था कि एक्शन स्टार्स को शूटिंग के दौरान बहुत मज़ा आता है क्योंकि वे स्टंटस करते हैं। अब इस फीलिंग को खुद अनुभव कर रही हूं और यह वाकई मजेदार है लेकिन शारीरिक रूप से बहुत थकाऊ भी। मैं 200 प्रतिशत मेहनत कर रही हूं और उम्मीद करती हूँ कि लोग मुझे अल्फा में पसंद करेंगे! मैं आने वाले समय में एक एक्शन स्टार बनना चाहती हूं, और इसके लिए अल्फा में मैंने कोई कसर नहीं छोड़ी है। पहली महिला-केंद्रित वाईआरएफ स्पाय यूनिवर्स फिल्म को एक्शन का शानदार अनुभव बनाने के लिए आदित्य चोपड़ा कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अल्फा का निर्देशन शिव रवैल कर रहे हैं, जो वैश्विक स्तर पर हिट सीरीज द रेलवे मैन के लिए भी मशहूर हैं, जिसका निर्माण भी वाईआरएफ ने किया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | रविवार | 17-11-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

यहां हनुमंतनगर के श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में अपना सन्- 2024 का ऐतिहासिक अनुपम यादगार चातुर्मास संपन्न करके महासाध्वी श्री धर्मप्रभा जी म.सा., साध्वी रत्ना श्री स्नेह प्रभाजी म. सा. हनुमंतनगर जैन स्थानक भवन से चातुर्मास पूर्णाहुति के पश्चात प्रचम मंगल विहार शनिवार सुबह विशाल भव्य जनमेदिनी के साथ जयकारों के बीच कल्याणसिंह बुरड़ परिवार के निवास स्थान पर पहुंची।

जीतो द्वारा छह दिवसीय पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अंतर्गत जीतो लेडिस विंग द्वारा राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में अध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना के नेतृत्व में राष्ट्रीय प्रोजेक्ट स्किल डेवलपमेंट के अंतर्गत छ: दिवसीय मास्टर द आर्ट्स ऑफ़ पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का समापन सत्र ग्रेजुएशन दिवस का आयोजन किया गया। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया ने सभी को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि पब्लिक स्पीकिंग कोर्स आपके लिए बिना डरे पूरे आत्मविश्वास से बोलने के एवं कम्युनिकेशन का एक सबसे प्रभावशाली तरीका है, लाइव ऑडियंस के साथ बातचीत करने हेतु एक बहुत अहम क्वालिटी है। इस कोर्स के ज़रिए आप समाज, कारोबार और देश-दुनिया में वर्चस्व कायम करने एक प्रमुख आधार बना सकते है। यह प्लेटफॉर्म बहुत ही अच्छा है एमएपीएस के द्वारा हर एक सदस्य बहुत आगे बढ़ सकता है।

महामंत्री विजय सिंघवी ने कहा कि रोज़ाना बातचीत, कामकाज और संपर्क कायम करने के लिए बढ़िया कम्युनिकेशन स्किल्स यहाँ से सीखकर अपने जीवन में उपयोग में लाए, हम सब सोना है और सोने को तराशने का कार्य इन तीनों प्रशिक्षकों ने किया है। मुख्य प्रशिक्षक हितेश छाजेड ने कहा कि बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स के बिना हमारे लिए दुनिया में प्रगति करना और निरंतर आगे बढ़ते रहना असंभव है। इन छ: दिनों में आप सबने बोलने की कला के विभिन्न विषयों पर अपनी पकड़ बनाए रखनी सीखी, इसे आगे बढ़ाते रहने हेतु तीन बातें गुरूर ना करे, गम्भीर रहे और अपनी इस कला से गौरव प्राप्त करे।

सह-प्रशिक्षक अनिल दुगड़ ने सभी को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि लाइव ऑडियंस के सामने कुछ भी बोलते हुए अब घबराहट और डर ना रखे। जब भी मौक़ा मिले अपनी प्रस्तुतियाँ देते रहे। डर, चिंता या घबराहट आपके और आपके सपनों के बीच अब कभी बाधा नहीं बनेगी। इसपर आपने काबू पा लिया तो आपको शानदार सफलता हासिल होगी।

सह-प्रशिक्षक नमिता दुगड़ ने कहा कि मौक़े पर बोलना विश्वसनीयता बनाने का एक अच्छा तरीका है। बैठकों में बोलना, अपने विचारों को बढ़ावा देना और खुद को एक वाक् विशेष के रूप में पेश करना सीखेंगे। बोलने का कौशल आपको उत्कृष्टता प्राप्त करने में भी मदद करेगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र एवं सभी पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। लेडीज विंग अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने कार्यक्रम आयोजन की घोषणा की ओर सभी का स्वागत किया गया। प्रशिक्षकों का परिचय क्रमशः दीपिका जैन, जयंती जैन, मेगी मेहता ने दिया। जीतो परिवार द्वारा सभी प्रशिक्षकों का सम्मान किया गया। उपस्थित सभी प्रशिक्षुकों द्वारा एक-एक विषय पर भाषण एवं एक एक धन्यवाद सम्प्रेषण की प्रस्तुति हुई। सभी को उनके परिवार की उपस्थिति में प्रमाणपत्र एवं इस विषय संबंधित नियमावली किताब को प्रिंट करवाकर प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा, लेडिस विंग संयोजक नेमीचंद दलाल, विनोद नन्दावत साउथ लेडिस विंग निवर्तमान अध्यक्ष सुनीता गांधी, मेंटर बिन्दु रायसोनी, रेश्मा पुनमिया, मधु कटारिया, उपाध्यक्ष सुमन वेदमूथा, कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता, सहमंत्री सुमन रांका, स्वीटी नाहर, नीता गादिया, संगीता मुथा की उपस्थिति रही।

उपाध्यक्ष व संयोजिका सुमन सिंघवी एवं सह-संयोजिका सारिका जैन ने सुचारु रूप का कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री रक्षा छाजेड ने किया। सहमंत्री मीना बडेरा, संगीता नागोरी, नेहा भंडारी ने व्यवस्था संभाली। उपाध्यक्ष एवं संयोजिका सुमन सिंघवी ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

साध्वी धर्मप्रभा और स्नेह प्रभा ने किया विहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां हनुमंतनगर के श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में अपना सन्- 2024 का ऐतिहासिक अनुपम यादगार चातुर्मास संपन्न करके महासाध्वी श्री धर्मप्रभा जी म.सा., साध्वी रत्ना श्री स्नेह प्रभाजी म. सा. हनुमंतनगर जैन स्थानक भवन से चातुर्मास पूर्णाहुति के पश्चात प्रचम मंगल विहार शनिवार सुबह विशाल भव्य जनमेदिनी के साथ जयकारों के बीच कल्याणसिंह बुरड़ परिवार के निवास स्थान पर पहुंचीं। जहाँ पर बुरड़ परिवार के पारिवारिक सदस्यों ने साध्वीवृन्द की अगुवानी की।

सर्वप्रथम मोनिका बुरड़, दिव्या बुरड़ ने स्वागत-गीत प्रस्तुत किया। निर्मला बोहरा, मीना बुरड़ ने अपने विचार व्यक्त किए। साध्वी श्री धर्मप्रभा जी म. सा. ने अपने अश्रुवचन में फरमाया कि संत और पानी बहते हुए विचरण करते हुए अच्छे लगते हैं। जैसे जल से प्यास शांत होती, है वैसे ही संत गुरु भी जहाँ-जहाँ भी जाते है वहाँ-वहाँ जनमानस को धर्म-वाणी रूपी शीतल जल से श्रोताओं श्रद्धालुओं के ज्ञान पिपासा को शांत समृद्ध करते हैं। उन्होंने कहा कि संत सदैव पूजनीय वंदनीय होते हैं। संत जिनशासन तीर्थंकर परमात्मा के प्रतिनिधि होते है जो प्रभु वीतराग की वाणी को भव्य जीवों तक पहुंचती हैं। संत वीतराग के पोस्टमैन है। वहीं प्रभु महावीर ने संघ की महिमा को गाते हुए संघ को संत से बड़ा मान-सम्मान दिया है। प्रभु महावीर ने आठ उपमाओं जैसे नगर, रथ, चक्र, पद्मकमल, चन्द्र, मेरुपर्वत के समान उनके महिमा का बखान किया है। सूर्य, समुद्र स गुणों, विशेषताओं से और संघ की

साधक नवकार महामंत्र पर सच्ची आस्था भाव से स्मरण करे तो स्वतः ही सारे दुःख-संकट, ग्रह पीड़ा की शांति हो जाती हैं।

सभी श्रद्धालुओं ने नम आंखों से साध्वीवृंद को मंगल भाव-भीनी विदाई दी। साध्वीजी के प्रथम विहार के प्रसंग पर धोका परिवार एवं बुरड़ परिवार को अल्पाहार के लाभार्थी बनने का लाभ प्रदान करने के लिये हनुमंतनगर संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका एवं पूर्व अध्यक्ष कल्याण सिंह बुरड़ ने हनुमंतनगर संघ के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर संघ उपाध्यक्ष हुक्मीन्चंद बाफना, उपाध्यक्ष पारसमल दुग्गड़, कोषाध्यक्ष धनराज मुथा ,धनपतराज धारीवाल नेमीचंद दक, राजेश बाफना, संजय सिंघवी, हुक्मीचंद कांकरिया, हेमंत लुंकड़ प्रकाशचंद लोढ़ा, महेन्द्र धारीवाल, युवाध्यक्ष शीतल रांका, मंत्री किशोर बाफना, महिला अध्यक्षा मंजू बालिया, मंत्री संगीता धोका एवम समाज के एवं हनुमंतनगर संघ के अनेक पदाधिकारीगण सहित बेंगलूरु के विभिन्न संघ संस्थाओं के गणमान्य अतिथिगण, संघ प्रमुख पदाधिकारीगण सहित बड़ी संख्या में गुरुभक्त श्रद्धालुगण उपस्थित थे। संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने सबका स्वागत किया। संचालन संघ मंत्री सुरेश धोका एवं सहमंत्री रोशन कुमार बाफना ने किया।

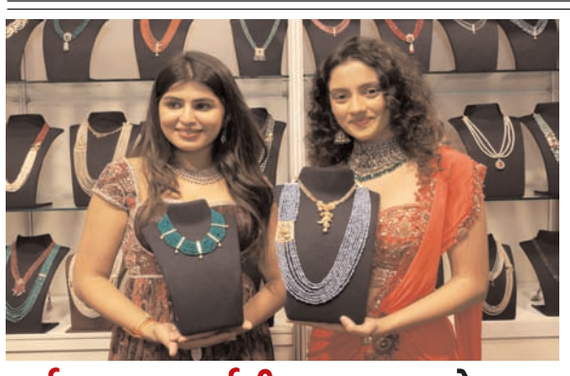

हाई लाइफ प्रदर्शनी का नया कलेक्शन लोगों को आ रहा खूब पसंद

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। फैशन और अनूठे प्रॉडक्ट्स के लिए मशहूर हाई लाइफ प्रदर्शनी में रौनक छाई हुई है। इसके आगाज के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शॉपिंग करने आ रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि 'द ललित अशोक' में चल रही यह प्रदर्शनी रविवार को भी जारी रहेगी। यह तीन दिवसीय आयोजन है, जिसकी शुरुआत 15 नवंबर को हुई थी।

इसका समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक है। इस दौरान लोग कई आकर्षक प्रॉडक्ट्स के साथ शॉपिंग के अनुभवों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि नया कलेक्शन लोगों को खूब पसंद आ रहा है। इसके अलावा डिजाइनर परिधान, आभूषण, दुल्हन के परिधान, फैशन का सामान और कई प्रॉडक्ट्स के प्रति लोगों में आकर्षण है। वे अपने लुक को स्टाइलिश बना रहे हैं। यहां ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र, डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि उपलब्ध हैं।

'जीवन की किताब शुभ कर्मों से लिखें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां बसवनगुड़ी के श्री जिनकुशलसूरी जैन आराधना भवन में चातुर्मास हेतु विराजित मुनिश्री मलयप्रभागरजी म.सा एवम् साध्वीश्री प्रियस्वर्णाजंना श्री जी म.सा का चार माह के सफल श्रुतोपासना चातुर्मास के पश्चात चातुर्मास परिवर्तन विहार शनिवार को हुआ। संतवृंद विहार करके महावीर रीजेंसी त्यागराज नगर पहुंचे। जहां धर्मसभा को संबोधित करते हुए मलयप्रभ सागर जी ने कहा कि यह परमात्मा की आज्ञा है। साधु साध्वी जी का विहार चातुर्मासिक चतुर्दशी की आराधना के पश्चात कार्तिक पूर्णिमा के दिन होता है। हमारे जीवन की किताब का पहला पृष्ठ जन्म और अंतिम पृष्ठ मृत्यु का होता है। इस किताब के बीच के पृष्ठों में हमें अपने कर्मों का हिसाब किताब लिखना होता है। जैसा हम कर्म करेंगे उसी प्रकार से हमारा परभव का बंध होगा। साध्वी जी प्रियस्वर्णांजना श्री जी म. सा. ने कहा कि चातुर्मास के पश्चात ही हमारी सही परीक्षा होती है कि हमने चातुर्मास काल में क्या सीखा और क्या पाया और उसी को हमें पूरे वर्षभर की अपनी जीवनचर्या में आचरण में लाना है। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, संघवी तेजराज गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, प्रवक्ता अरविन्द कोठारी, सुरेन्द्र कुमार रांका एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति में दादावाड़ी से प्रातः गुरु वन्दन और मांगलिक के पश्चात विहार हुआ जिसमें सकल संघ ने गुरुदेव और गुरुवर्या श्री जी को भावभीनी विदाई दी। विहार में सकल संघ के साथ अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् का बैण्ड मधुर धुन छेड़ी। महावीर रीजेंसी पहुंचने पर भरत गटागट परिवार और हीराचन्द बुरड़ परिवार द्वारा चारित्र आत्माओं का भावभीना स्वागत किया और अभिनन्दन में गीतिकाएं प्रस्तुत की। उपरोक्त जानकारी ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने प्रदान की। विहार में दादावाड़ी ट्रस्ट के सदस्यों के साथ समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

मंशापूर्णा श्रीयादेवी माता मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर हुआ विचार विमर्श

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां श्री प्रजापत समाज सेवा संघ कर्नाटक पश्चिम लग्गेरे में सफेद संगमरमर से नवनिर्मित श्री मंशापुर्णा श्रीयादेवी माता मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मंदिर में गुरुवार को संस्था के मुख्य प्रधान डायाराम बेरा की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में कार्यकारिणी सदस्यों ने प्राणप्रतिष्ठा की रूप रेखा तैयार की गई।

डायाराम बेरा ने बताया कि नवनिर्मित मंदिर की पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संत महात्माओं के सान्निध्य में दिनांक 5 फरवरी से शुरू होगा। इस समारोह को भव्यता देने के लिए विभिन्न सदस्यों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर संस्था के प्रधान जुगराज कपुपरा, अशोक कुमार घोड़ेला, अध्यक्ष कानाराम मुलेरा, उपाध्यक्ष भुपेंद्र कुमार भदेरा, सचिव शिवलाल ब्रान्दणा, मांगीलाल कपुपरा, केवलराम बेरा, सहसचिव रूपाराम साडीवाल, कोषाध्यक्ष हेमाराम रेडवाल आदि गणमान्य उपस्थित थे।

दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के पूर्णिमा मेले में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरसीकेरे। शहर के दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ स्थित शाश्वत तीर्थाधिराज शत्रुंजय में कार्तिक पूनम मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। संकट मोचन पार्श्व भैरव भक्त मंडल बेंगलूरु शाखा के तत्वावधान मे आयोजित इस मेले में उत्सव का माहौल रहा। अष्टप्रकारी थाल सहित महापुष्प माला परमात्मा, योगीराज एवम भैरवदेव को अर्पण की गई। तुषारगुरुजी द्वारा पार्श्व भैरव महापूजन पढाई गई। भजन गायक दिलखुश बाफणा के साथ रिंकु बाफणा, प्रकाश राठोड, प्रेमलताय हेमा कोठारी ने भजनों की प्रस्तुति देते हुए माहौल को संगीतमय बना दिया।

लाभार्थियों द्वारा भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवम तेल अर्पण किया गया। भैरव भक्त परिवार के राष्ट्रीय संयोजक राकेश सालेचा के साथ अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

गिरिराज तदरुप का अनावरण का लाभ राणीबेन्नुर निवासी अशोक मंडलेचा परिवार एवं भावयात्रा संघपति का लाभ कडुर निवासी संपतराज पोरवाल परिवार ने लिया। मेला लाभार्थी गुलाब दुग्गड, मनोज दुग्गड एवं विकास दुग्गड सम्मान किया गया।

भारतीय-अमेरिकी ट्रंप प्रशासन से बांग्लादेश के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करेंगे

वाशिंगटन/भाषा। भारतीय-अमेरिकी बांग्लादेश सरकार के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर अगले साल नए ट्रंप प्रशासन तथा कांग्रेस से संपर्क करने की दिशा में काम कर रहे हैं। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के एक प्रभावशाली नेता ने यह जानकारी दी। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बांग्लादेश पर हालिया बयान से उत्साहित भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक डॉ. भरत बराई ने विश्वास जताया कि ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेने के बाद हिंदू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न को लेकर दक्षिण एशियाई राष्ट्र बांग्लादेश के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। बराई ने 'पीटीआई' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि ट्रंप ने बांग्लादेशी हिंदू और हिंदू मंदिरों के अपवित्रीकरण के बारे में साहसिक बयान दिया है। उन्होंने कहा, ''ट्रंप एक साहसी व्यक्ति हैं जो स्थिति में सुधार न होने पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने पर विचार कर सकते हैं।''

वाशिंगटन में वार्षिक दिवाली समारोह में भाग लेते हुए बराई ने कहा कि समुदाय के सदस्य संभावित आर्थिक प्रतिबंधों समेत बांग्लादेशी सरकार के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए नए प्रशासन तथा कांग्रेस से बातचीत करने पर सक्रियता से काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मोहम्मद युनूस के नेतृत्व में बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार सेना द्वारा नियंत्रित महज एक कठपुतली है। उन्होंने कहा ''वास्तव में सेना देश को चला रही है।'' उन्होंने पूछा, ''अगर उनके कपड़े निर्यात, जो उनके कारोबार का 80 प्रतिशत है, में कटौती कर दी जाए तो बांग्लादेश के लोग क्या खाएंगे?''

बराई ने उम्मीद जतायी कि इस तरह के दबाव से बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर अत्याचार रोकने की दिशा में कदम उठाया जा सकेगा।

श्रीनिधि 'आदर्श कन्नड़ कनमणि' से हुए सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां चामराजपेट में 16 नवम्बर को एसआरएन आदर्श कॉलेज में कर्नाटक राज्य का 69वां राज्योत्सव समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। संस्था प्रमुख पदमराज मेहता, महासचिव जितेंद्र मडरिया, प्राचार्य डॉ एस प्रशांत की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और नाड गीत के साथ शुरू हुआ।

मुख्य अतिथि के रूप में टीजी श्रीनिधि इज्ञान के संस्थापक व लेखक, स्तंभकार उपस्थित थे। समारोह में 'आदर्श कन्नड़ कनमनी' सम्मान से श्रीनिधि को नवाजा गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा कर्नाटक के सभी जिलों की प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें उसे क्षेत्र विशेष के भोजन, संस्कृति, धान सभी को दर्शाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में भी कर्नाटक संस्कृति की झलक दिखाई दी।

चातुर्मास परिवर्तन कर साध्वी सिद्धप्रभा ने किया विहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी चातुर्मास परिसंपन्न करते हुए तेरापंथ भवन विजयनगर से मंगल विहार कर सभा के संगठन मंत्री मनोहरलाल बोहरा के निवास स्थान पर पहुंची। विहार से पहले साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी ने परदेसी राजा का व्याख्यान देते हुए कहा कि हमारा चातुर्मास बहुत ही सफल रहा सभी संस्थाओं के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का पूरा-पूरा सहयोग हमें प्राप्त हुआ।

सभी संस्थाओं ने पूर्ण समर्पण भाव एवं एकजुटता के साथ हर कार्य किया। हम चाहते हैं कि आपने इस चातुर्मास में जो कुछ भी प्राप्त किया है वह अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें। आध्यात्मिक गतिविधियों की दृष्टि से हो, ज्ञान आराधना की दृष्टि से हो या फिर, तप की दृष्टि से हो यह चातुर्मास बहुत ही ऐतिहासिक उपलब्धियां भरा रहा। साध्वीश्री मलययशाजी, साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी और दीक्षाप्रभाजी ने गीतिका के माध्यम से चातुर्मास की उपलब्धियां को बताकर सभी को भाव विभोर कर दिया। चातुर्मास की सफलतम परिसंपन्नता पर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने संपूर्ण श्रावक समाज की ओर से साध्वीश्रीजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। मंगल विहार कार्यक्रम में सभा के मंत्री दिनेश हिंगड़, उपाध्यक्ष भंवरलाल मांडोत, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, अभातेमम से वीणा बैद, शशि नाहर, आरआर नगर महिला मंडल अध्यक्षा सुमन पटावारी आदि उपस्थित थे।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के होसकेरेहल्ली में जय कर्नाटक रक्षा सेना बेंगलूरु द्वारा कर्नाटक राज्योत्सव शनिवार को मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में मारूति मेडिकल के प्रमुख एवं गौसेवक महेन्द्र मुणोत ने मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर ध्वजारोहण किया। इस मौके पर जरूरतमंद बच्चों के बीच शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया। सेना के लिंगराजू, और भीमराजू ने अतिथियों का सम्मान किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com